सफलतम 30 वर्ष सच बेधड़क

दैनिक

विद्रोही तेवर

RNI.No.MPHIN/58880/95

● वर्ष-31 ● अंक- 160 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, बुधवार 10 जून, 2026 ● मूल्य 1 रुपया ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

परिसीमन, वन नेशन वन इलेक्शन का रास्ता साफ

कांग्रेस नेता अधीर रंजन बोले, टीएमसी के बागी करेंगे मोदी का सपना पूरा

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने तृणमूल कांग्रेस के सांसदों पर बगावत के बाद बड़ी भविष्यवाणी की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद बीजेपी और नरेंद्र मोदी के अधूरे सपने को पूरा करेंगे। बीजेपी अब अपने बचे हुए एजेंडे परिसीमन बिल और वन नेशन, वन इलेक्शन बिल को संसद में पारित करा लेगी। उन्होंने कहा कि 2011 में सत्ता में आने के बाद टीएमसी ने बंगाल के विकास का तर्क देते हुए पंचायत स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया था। अब बीजेपी बंगाल में जीत के बाद देश के विकास के नाम पर टीएमसी के टुकड़े-टुकड़े कर रही है।

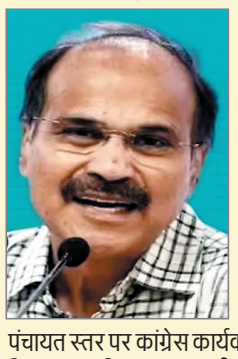

अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रही है बीजेपी

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि टीएमसी के बागी सांसद बीजेपी के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्हें कायदे से बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि टीएमसी के बागी बीजेपी के साथ डूबकर नहाना तो चाहते हैं, मगर अपने सिर के बाल भिगाना नहीं चाहते हैं। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि बीजेपी इस सुनहरे मौके का इस्तेमाल करना चाहती है।

जिसने राम का द्रोह किया, वह मिट गया

- सीएम योगी बोले-मारीच और सुबाहु लैंड जिहादी थे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी मंगलवार को लखनऊ में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की श्रीरामकथा में पहुंचे। उन्होंने कहा- प्रभु श्रीराम ने नारी गरिमा के लिए काम किया। यह आज के समय में लव जिहाद रोकने के लिए आदर्श उदाहरण है। शायद ही कोई ऐसा भारतीय हो, जिसके डीएनए में भारत हो और वह श्रीराम को न मानता हो।

सीएम ने कहा- याद करिए रावण का राज्य था। खर और दूषण पूरे दंडकारण्य में कब्जा जमाए थे। ताड़का बक्सर तक आ गई थी। ये सब मिलकर पूरा उजाड़ मचाए हुए थे। जब भी नकारात्मक ताकतें आती हैं तो उजाड़ ही करती हैं। उन्होंने कहा- खर-दूषण और मारीच-सुबाहु क्या कर रहे थे। वो भी रावण के साथ लैंड जिहाद के अभियान में जुड़े हुए थे। साधु-संतों को उनकी जगह से हटाकर लैंड जिहाद करते थे। रामकथा केवल सुनने का विषय नहीं है। इसे सुनकर समझना होगा। योगी ने कहा- नकारात्मक ताकतें हर कालखंड में आएंगी, लेकिन सज्जन शक्ति को इनका डटकर मुकाबला करना होगा। राम जब पहली बार घर से निकले तो उन्हें सबसे पहले ताड़का मिली। वह रावण से प्रेरित थी। गलत को गलत ही मिलते हैं। जिसने भी राम को अपने जीवन का आदर्श बनाया, उसका कल्याण हुआ। जिसने राम का द्रोह किया, उसको मिटना ही पड़ा है।

सरकार को मंडी शुल्क से मिलेगा 800 करोड़ का राजस्व

● एमपी में मंडी शुल्क में की गई बढ़ोत्तरी, कपास की मंडी फीस में कटौती ● भोपाल मेट्रो की लागत बढ़ी, अब परियोजना पर खर्च होंगे 10,033 करोड़

भोपाल। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने इसकी बढ़ी हुई लागत को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में परियोजना की संशोधित लागत को मंजूरी दी। अब भोपाल मेट्रो परियोजना पर कुल 10,033 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके साथ ही अब सरकार ने कपास पर लगने वाले मंडी शुल्क को घटाकर अन्य उपज पर लगने वाले मंडी शुल्क को बढ़ा दिया है। बढ़े शुल्क से सरकार को 800 करोड़ का राजस्व मिलेगा। कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना 2016 में तैयार की गई थी। उस समय इसकी अनुमानित लागत करीब 6 हजार 241 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर 10,033 करोड़ रुपए हो गई है।

कपास पर मंडी शुल्क घटाया दूसरे जींस में बढ़ाया

कैबिनेट ने किसानों के हित में कपास पर लगने वाले मंडी शुल्क को कम करने का फैसला भी किया है। मंत्री काश्यप ने बताया कि पहले कपास पर मंडी शुल्क अधिक होने के कारण किसानों और व्यापारियों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ता था। अब कपास पर केवल 0.50 फीसदी मंडी शुल्क लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में भी इसी दर से शुल्क लिया जाता है। इसके अलावा अन्य कृषि उपज पर मंडी शुल्क को कुछ वर्ष पहले डेढ़ से घटाकर एक कर दिया गया था, जिसे अब फिर बढ़ाने का फैसला लिया गया है। अब सरकार कपास के अलावा अन्य कृषि उपज पर डेढ़ मंडी शुल्क वसूलेगी। इससे सरकार को लगभग 800 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। बढ़े हुए 50 पैसे प्रति सौ रुपए के मंडी शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग सड़क विकास और गौ संवर्धन के कार्यों में किया जाएगा।

भारत ने पहली बार तैनात किए बारह परमाणु बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

- 2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए
- पाकिस्तान से 20 ज्यादा, अग्नि सीरीज की मिसाइलें भी सक्षम

दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार

2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश

2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं। 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2 फीसदी रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की संयुक्त हिस्सेदारी 35 फीसदी रही।

कांग्रेस को झटका, मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त

भाजपा की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफीसर ने सुनाया फैसला

भोपाल। राज्यसभा चुनाव में एमपी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। रिटर्निंग ऑफीसर ने मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त करने का फैसला सुनाया। भाजपा ने उनके नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने शपथ पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित मामले की जानकारी छिपाई है। भाजपा की ओर से एडवोकेट संकेत गुप्ता ने रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष शिकायत पेश करते हुए कहा था कि सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार उम्मीदवार को अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी देना अनिवार्य है। भाजपा ने इसे तथ्यों को छिपाने का मामला बताते हुए नामांकन रद्द करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान विधानसभा परिसर में जमकर राजनीतिक हलचल और हंगामा हुआ। इस मामले को लेकर राजधानी भोपाल में दिनभर हलचल रही।

फैसले से पहले विधानसभा परिसर में चला हाईवोल्टेज ड्रामा- मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पर फैसला आने से पहले विधानसभा परिसर में जमकर राजनीतिक हलचल देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा की आपत्ति को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार केवल दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी देना अनिवार्य होता है, जबकि मीनाक्षी नटराजन को सिर्फ कोर्ट से नोटिस मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने राजनीतिक उद्देश्य से अनावश्यक आपत्ति लगाई है। सिंघार ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन की ओर से उनके अधिवक्ताओं ने रिटर्निंग अफसर के समक्ष जवाब प्रस्तुत कर दिया है।

● धरा रह गया राहुल गांधी का विरोध, नहीं मानी सरकार

13000 करोड़ के निकोबार एयरपोर्ट को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के तहत एक बड़ा फैसला लेते हुए 13000 करोड़ रुपये के नए ग्रीनफील्ड सिविल-मिलिट्री एयरपोर्ट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, भारतीय नौसेना के मौजूदा आईएनएस बाज एयर स्टेशन के रनवे विस्तार के प्लान को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। सरकार का यह कदम ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस 81,000 करोड़ रुपये के मेगा प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध किया था। यह नया डुअल-यूज (नागरिक और सैन्य) एयरपोर्ट गैलाथिया बे के पास चिनगेन में बनाया जाएगा। इसकी रणनीतिक अहमियत काफी ज्यादा है।

81 हजार करोड़ रुपये का है पूरा ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

यह नया एयरपोर्ट ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना के तहत प्रस्तावित चार प्रमुख बुनियादी ढांचों में से एक है। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 81,000 करोड़ रुपये है। एयरपोर्ट के अलावा इस मेगा प्लान में एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर और एक टाउनशिप का विकास शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य इस द्वीप को एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक केंद्र में तब्दील करना है। प्रोजेक्ट को लेकर हो रहे राजनीतिक और पर्यावरणीय विरोध के बीच सरकार लगातार अपना पक्ष रखती आई है। सरकार का तर्क बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक निवेश है।

आईएनएस बाज का विस्तार किया गया ड्रॉप

कैंपबेल बे स्थित आईएनएस बाज के 4,500 फीट लंबे रनवे को 10,000 फीट तक बढ़ाने में भौगोलिक सीमाएं और नेविगेशनल चुनौतियां आ रही थीं। इसके लिए भारी-भरकम सपोर्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की भी जरूरत थी। अधिकारियों ने अध्ययन में पाया कि नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की तुलना में, मौजूदा रनवे के विस्तार से आदिवासी बस्तियों, जंगलों और वन्यजीवों के आवास पर कहीं ज्यादा गहरा और विपरीत प्रभाव पड़ता। नए एयरपोर्ट का यह ऐलान राहुल गांधी के उस कड़े हमले के कुछ ही दिनों बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने इन द्वीपों का दौरा किया था और कोरल रीफ के पास स्कूबा-डाइविंग की थी।

मोदी कैबिनेट में बदले जा सकते हैं 12 मंत्री

राज्यसभा चुनाव के बाद बड़े फेरबदल के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही एनडीए सरकार में कैबिनेट फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। अटकलें हैं कि इस बार कई राज्य मंत्रियों को बदला जा सकता है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि किन मंत्रालयों में बड़े स्तर पर बदलाव होंगे, लेकिन कहा जा रहा है कि इसकी संख्या एक दर्जन मंत्रियों तक जा सकती है। खास बात है कि 18 जून को राज्यसभा चुनाव हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी कैबिनेट को लेकर बड़े फैसले ले सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कम से कम 2 कैबिनेट मंत्री बनेंगे।

दूसरे दलों को भी मिलेंगे पद

रिपोर्ट के मुताबिक, सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज है कि मोदी सरकार की नई कैबिनेट में जेडीयू, टीडीपी और अन्य सहयोगी दलों को जगह मिल सकती है। इसमें भी नीतिश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी को सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है। जबकि, सहयोगी दलों के ज्यादातर नेताओं को राज्य मंत्री का पद मिलने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि राज्यसभा का कार्यकाल पूरा कर रहे कई मंत्रियों को इस साल या 2027 की शुरुआत में संगठन में भेजा जा सकता है।

इन मंत्रालयों में बदलाव के आसार

रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे, वित्त, कॉर्पोरेट अफेयर्स, कोयला, टेक्सटाइल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, ग्रामीण विकास, रसायन और उर्वरक, सहकारिता, मत्स्य पालन, जल शक्ति, कृषि और पर्यावरण, कानून और अन्य में बदलाव के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। 18 के चुनाव में आंध्र, गुजरात, कर्नाटक, एमपी, राजस्थान और झारखंड की सीटें शामिल हैं।

झमाझम बारिश के आसार, आगे बढ़ा मानसून

● अब तक 13 राज्य कवर किए, आज मुंबई पहुंचेगा ● यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून 5 दिन में 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं। इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री कर ली। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2-3 दिनों में यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के बाकी इलाकों में आगे बढ़ सकता है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी अगले कुछ दिनों में मानसून पहुंच सकता है। पश्चिमी तट पर मानसून सक्रिय हो गया है।

राजस्थान का श्रीगंगानगर सबसे गर्म पारा 45 डिग्री

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्मी फिर तेज हो गई है। आईएमडी ने आज 8 राज्यों में लू का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान एक बार फिर 45 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वहीं, दिल्ली में भी तापमान 43.4 डिग्री दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

इंदिरापुरम के न्यायखंड-1 में सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात

साहिबाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम के न्यायखंड-1 में जल्द ही लोगों को जल्द ही

सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। सीवर की मेनलाइन डालने का कार्य पूरा हो गया था। सोमवार को सीवर की मेनलाइन को गलियों की लाइन से जोड़ने का कार्य शुरू हो गया। इसके बाद अब सोसायटी की सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। सीवर की मेन लाइन से इंटरनल लाइन से जोड़ने के बाद लोगों को सीवर चोक से होने वाले ओवरफ्लो की समस्या से निजात मिलेगी। बता दें कि न्यायखंड-1 में काफी समय से लोग सीवर ओवरफ्लो और जलभराव की समस्या से बेहाल हैं। दैनिक जागरण में लोगों की इस समस्या को लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। इसके बाद से कार्य में तेजी आई है। इससे लोगों को जलभराव की समस्या दूर होगी। यहां अभी नाले का निर्माण कार्य भी चल रहा है। इसमें निकासी की व्यवस्था ठीक न होने से सड़क पर जलभराव हो रहा है। सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर नाले में जा रहा है। नाला चोक होने के कारण ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। एक ओर की सड़क करीब पांच महीने से निर्माण कार्य के कारण बंद है। वहीं दूसरी ओर की सड़क पर जलभराव रहता है। ऐसे में लोगों का राह गुजरना भी मुश्किल हो गया है। जलभराव के बीच आवागमन में परेशानी हो रही है। सुबह शाम जाम की स्थिति बन जाती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि 10 दिन में काम पूरा कर लिया जाएगा।

पेंशन के लिए पिता की हत्या, सात साल पुराने केस में बेटा-बेटी को मौत की सजा

हैदराबाद, एजेंसी। एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को 2019 में सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी की हत्या के मामले में उनके बेटे और बेटी को मौत की सजा सुनाई, जबकि पत्नी

को आजीवन कारावास की सजा दी गई। 70 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या परिवार के सदस्यों ने उनकी पेंशन का लाभ लेने के लिए की थी। उन्होंने उनके भोजन में धतूरा पाउडर मिलाया और बाद में शव के टुकड़े काटकर उन्हें घर के अंदर बाल्टियों में भरकर रख दिया, क्योंकि वे उनका अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे थे। मलकाजगिरि स्थित मुख्य जिला न्यायाधीश ने अभियुक्तों को आइपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दोषी करार दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, रेलवे कर्मचारी 2000 तक मालगाड़ी चालक के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने चिकित्सा कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। तीनों दोषियों ने उनकी पेंशन और घर पर कब्जा करने के लिए उनकी हत्या की साजिश रची थी, ताकि वे मौज-मस्ती के लिए इसका इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने 15 अगस्त, 2019 को बुजुर्ग व्यक्ति को भोजन के साथ धतूरा पाउडर खिला दिया, जिससे एक दिन बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और सुबूत मिटाने के लिए उन्हें अपने घर में छह बाल्टियों में भरकर रख दिया। हालांकि, घर से दुर्गंध आने पर कुछ स्थानीय निवासियों ने 18 अगस्त को संदेह के आधार पर घर में प्रवेश किया और मानव अवशेष पाए। उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। तीनों को 21 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

छत्तीसगढ़ में कंगना रनौत: सीएम साय के साथ देखी 'भारत भाग्य विधाता', नर्सों की वीरता को सलाम

रायपुर, एजेंसी। भाजपा सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग के लिए रायपुर पहुंचीं. शहर के जोरा स्थित मॉल में आयोजित स्क्रीनिंग में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित मंत्री और विधायक भी विशेष स्क्रीनिंग शामिल हुए. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कंगना के अभिनय की सराहना की और कहा कि यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों के साहस और समर्पण की गाथा है. वहीं एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की और उन्हें वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक बताया.

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' स्क्रीनिंग

भाजपा सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्पेशल स्क्रीनिंग सीएम विष्णु देव साय के साथ देखी. इस दौरान कंगना रनौत और मुख्यमंत्री साय ने फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की. रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लगातार जनसमर्थन मिल रहा है और वे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बनकर उभर रहे हैं. कंगना ने कहा कि पूरी दुनिया नेतृत्व के लिए उनकी ओर देख रही है और भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित होते हुए देखना गर्व की बात है.

10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने के अवसर पर कंगना रनौत ने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देशभर में जो सम्मान

और लोकप्रियता मिल रही है, वह उनकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता का परिणाम है, दुनिया उन्हें वैश्विक मार्गदर्शन के प्रतीक के रूप में देख रही है.

अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर कंगना रनौत ने लोगों से इसे देखने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि सेवा, समर्पण और साहस की प्रेरणादायक कहानी है, जिसे हर भारतीय को देखना चाहिए.

भारतीय अस्पतालों में नर्सों की वर्दी पर ब्रिटिश प्रभाव और उसे भारतीय स्वरूप देने के सवाल पर कंगना ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन नर्सों के लिए सबसे बेहतर वही होगा जो वे स्वयं पसंद करें. उन्होंने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने का अधिकार और समझ सबसे अधिक नर्सों के पास ही है. फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कंगना रनौत का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए छत्तीसगढ़ को चुना, यह राज्य के लिए गौरव की बात है. मुख्यमंत्री ने कहा कि कंगना ने फिल्म में नर्स की भूमिका को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया है. मुख्यमंत्री साय ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों द्वारा दिखाई गई बहादुरी और सेवा भावना पर आधारित है. आतंकियों के हमले के बीच नर्सों ने जिस साहस के साथ घायलों की सेवा की, उसी प्रेरक कहानी को फिल्म के माध्यम से दर्शाया गया है. रायपुर में फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग केवल एक सिनेमाई आयोजन नहीं रही, बल्कि 26/11 के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दिखाई गई।

398 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन में 14 गिरफ्तार

गुजरात में साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़

उदयपुर, एजेंसी। गुजरात में पुलिस ने आपरेशन म्यूल हंट 2.0 के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि 13 म्यूल अकाउंट्स (फर्जी बैंक खातों) के जरिये 398.43 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन से संबंधित 228 अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पाटन जिले से 14 लोगों को गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई राज्य सरकार द्वारा आनलाइन धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और साइबर अपराधियों के वित्तीय नेटवर्क को नष्ट करने के अभियान के तहत की गई।

पुलिस ने बताया कि केंद्र सरकार के समन्वय पोर्टल और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीसीआरपी) पर उपलब्ध डाटा के विश्लेषण से पता चला है कि पाटन जिले के हारिज नागरिक सहकारी बैंक में खोले गए कुछ चालू खातों (करेंट अकाउंट) से संदिग्ध लेनदेन हुए हैं।

जांचकर्ताओं ने पाया कि साइबर अपराधियों ने कमीशन का लालच देकर बैंक खाते खुलवाते थे। खाताधारकों ने कथित तौर पर एटीएम कार्ड, चेक बुक, सिम कार्ड, मोबाइल नंबर और इंटरनेट बैंकिंग संबंधी क्रेडेंशियल साइबर जालसाजों को दे दिए। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधों से प्राप्त धनराशि को देशभर में ट्रांसफर करने के लिए किया गया।

एनसीसीआरपी पोर्टल पर विभिन्न राज्यों से दर्ज की गई 228 साइबर धोखाधड़ी शिकायतों से जुड़े 13 फर्जी बैंक खातों में 398.43 करोड़ रुपये के लेनदेन पाए गए। पाटन साइबर अपराध पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत 13 खाताधारकों और सात बिचौलियों सहित 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से 14 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि छह अन्य फरार हैं।

मानेसर में कैसे होगी सफाई, 578 में से 210 सफाईकर्मी गैर हाजिर; एजेंसी को नोटिस जारी

मानेसर, एजेंसी। मानेसर नगर निगम सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार चर्चित रहा है। सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटालों के आरोपों के बीच नया मामला सामने आया है। नगर निगम द्वारा कराए जा रहे रोड स्वीपिंग के कार्य में 578 कर्मचारियों में 210 सफाईकर्मी ड्यूटी से गैर हाजिर मिले हैं। इसको लेकर नगर निगम के स्वच्छता अधिकारी द्वारा एजेंसी को नोटिस दिया गया है। नगर निगम द्वारा रोड स्वीपिंग का कार्य छह महीने के पेस्टटेक कंप्लीट सोलुशन नामक एजेंसी को सौंपा है। इसके लिए नगर निगम करीब साढ़े पांच करोड़ रुपये खर्च करेगा। एजेंसी के ऊपर लगातार कम सफाईकर्मी लगाने का आरोप लगाया जा रहा है। इसको देखते हुए नगर निगम की सेनिटेशन शाखा द्वारा सफाईकर्मियों की चेकिंग की गई थी। इसमें केवल 368 सफाईकर्मी कार्य करते मिले। ऐसे में सफाई व्यवस्था पर सवालिया निशान उठ रहा है। नगर निगम क्षेत्र में एजेंसियों द्वारा सफाई के नाम पर खेलती रही हैं। लगातार आरोप लगते रहे हैं। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह फैल हो रही है। क्षेत्र में सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी कूड़ा काबू नहीं हो पाया है। लिगेसी वेस्ट के निपटान को लेकर भी नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। रोड स्वीपिंग और डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी कूड़ा फैला रहता है। नगर निगम क्षेत्र में रोजाना कूड़ा भी जलाया जा रहा है। इसको लेकर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कूड़े को जलाने वालों पर नगर निगम और हरियाणा स्टेट प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कार्रवाई की जाती है।

नोएडा में मानसून से पहले चोक नालों से बढ़ा जलभराव का खतरा, निवासियों की बढ़ी चिंता

नोएडा, एजेंसी। मानसून की पहली वर्षा अभी तक नहीं आई है, लेकिन नोएडा के कई सेक्टरों में जलभराव का खतरा स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शहर के अधिकांश सिंचाई नाले गाद, प्लास्टिक और घरेलू कचरे से भरे पड़े हैं। लगभग 50 वर्ष पुराने नोएडा में जल निकासी की रीढ़ माने जाने वाले ये नाले अब खुद परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं।

सेक्टर-11 से लेकर सेक्टर-115 तक कई स्थानों पर नालों की सफाई अधूरी है, जबकि मानसून कभी भी दस्तक दे सकता है, लेकिन विभाग अभी तक मानसून के लिए तैयार नहीं है।

सेक्टर-11 के धवलगिरि क्षेत्र के पीछे स्थित नाले हों या सेक्टर-12 के जेड ब्लाक और सेक्टर-22 के अंदरूनी हिस्सों से गुजरनेवाले नाले, अधिकांश जगहों पर हालात चिंताजनक हैं। कहीं नालों में कूड़े के ढेर जमा हैं तो कहीं जल निकासी का रास्ता पूरी तरह संकरा हो चुका है। सेक्टर 27, 73, 74, 76 में भी नाले कूड़े के ढेर से भरे हुए हैं, जबकि सेक्टर-83 में नाले की कम चौड़ाई और निकाली गई गाद और कचरा किनारे छोड़ दिया गया है। बारिश होने पर यही कचरा

गंदगी स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ा रही है। वहीं, सेक्टर 115 के नाले के भी हालात अच्छे नहीं हैं। सेक्टर 47 की नालियां भी चाक हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी सफाई अभियान देर से शुरू हुआ। कई जगहों पर नालों से दोबारा नालों में पहुंच जाता है और सफाई अभियान महज कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है।

चोक नाले केवल जलभराव की वजह नहीं हैं, बल्कि ये बदबू, मच्छरों और चूहों के सुरक्षित ठिकाने भी बन चुके हैं।

वाह रे वाह! नगर निगम... ट्यूबवेल लगाया, पर प्यासे लोगों को पानी नहीं मिल पाया

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में इस समय पेयजल संकट है। कई सेक्टर व कॉलोनियां ऐसी हैं, जहां तीन से चार दिन में पानी आ रही है। एनआईटी की डबुआ कॉलोनी के कई क्षेत्रों में भी काफी पेयजल संकट बना हुआ है। लोगों ने नगर निगम में शिकायत की है, मगर समाधान नहीं किया गया है। रति राम मार्ग पर स्थित मानस भारती पब्लिक स्कूल के नजदीक लगभग डेढ़ महीना पहले एक ट्यूबवेल लगा दिया गया, जिसे अब तक चालू नहीं किया गया है।

पता चला है कि इसमें कुछ कमी रह गई है जिसे पूरा नहीं किया जा रहा है। इस गर्मी में पानी की गंभीर समस्या से स्थानीय निवासी को जूझना पड़ रहा है।

कॉलोनी वासियों की शिकायत है कि पानी उपलब्ध कराने के मामले में नगर निगम गंभीर नहीं है। लोगों को मजबूरी में दूर दराज के क्षेत्रों में जाकर पानी का इंतजाम करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर निगम अधिकारियों के कार्यालय जाकर शिकायत दर्ज कराई है। पेयजल आपूर्ति बेहतर करने की मांग की है।

फिलहाल शहर में पेजयल किल्लत है। मांग 450 एमएलडी तो आपूर्ति 330 एमएलडी प्रतिदिन हो पा रही है। मांग व आपूर्ति में अधिक अंतर होने की वजह से शहर की काफी आबादी टैंकरों के पानी पर निर्भर है। नगर निगम द्वारा टैंकर मुहैया नहीं कराए जाते। लोगों को अपने स्तर पर इंतजाम करना होता है। सबसे अधिक दिक्कत बल्लभगढ़ व एनआईटी में है।

हम पानी के लिए भटकने को मजबूर हो गए हैं। नया ट्यूबवेल लगने के बाद भी घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। जब भी पानी देने की मांग की जाती है तो कोई सुनवाई नहीं करता है। इस गर्मी में जल संकट से परेशान दर्जनों किराएदार शाम को नौकरी से आने के बाद देर रात तक पानी के लिए भटकते नजर आते हैं। कई महीने से पानी नहीं मिलने के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी परेशान हैं। कई गलियों के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। लोग मजबूरी में आसपास के क्षेत्र में जाकर पानी भर रहे हैं। - दशरथ गुप्ता ट्यूबवेल को चेक करवा लेते हैं। कोई समस्या होगी तो उसका समाधान कराया जाएगा। पेयजल आपूर्ति के मामले में लोगों को राहत दी जाएगी। 330 एमएलडी हो रही है सप्लाई 40 से अधिक कालोनियों में हैं पेयजल संकट 10 रेनीवेल और लगाए जा रहे हैं नदी किनारे।

5300 भारतीय सिम कार्ड से कंबोडिया का गिरोह कर रहा था साइबर ठगी, अब ईडी कसेगी शिकंजा

जयपुर, एजेंसी। ईडी ने देश में 5,300 सिम कार्ड की खरीद से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। इसका उपयोग कंबोडिया में एक मलेशियाई नागरिक के नेतृत्व वाले गिरोह द्वारा पूरे भारत में साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए किया गया था। जांच एजेंसी ने पांच जून को लुधियाना के अलावा राजस्थान के किशनगढ़, नागौर और जोधपुर में सात परिसर की तलाशी ली थी। इसी के आधार पर 30 घरेलू बैंक खातों की पहचान हुई। जो इस धोखाधड़ी नेटवर्क का हिस्सा हैं। लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया यह मामला जोधपुर पुलिस की उस प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें कुछ पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल्स) विक्रेताओं के खिलाफ भारतीय सिम को धोखाधड़ी से सक्रिय करने और उन्हें एक मलेशियाई नागरिक को सौंपने का आरोप लगाया गया था। ईडी के अनुसार कंबोडिया के ठगी गिरोहों से जुड़े कई साइबर अपराध के मामले सामने आए हैं। इनमें डिजिटल अरेस्ट भी शामिल है। इन मामलों में भारतीयों को साइबर अपराध के जरिये

फंसाया गया है। ईडी ने बताया कि उसने 2.3 लाख नंबरों (सिम कार्ड) का विश्लेषण किया। इसमें पता चला कि उनमें से लगभग 36 हजार कंबोडिया में सक्रिय थे, जिनमें से लगभग 5,300 का इस्तेमाल वॉट्सएप काल कर पूरे भारत में सैकड़ों करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी करने में किया गया। एजेंसी के अनुसार, तलाशी के दौरान सामने आया कि राहुल कुमार झा, मोहम्मद शरीफ और संदीप भट्ट ने प्रकाश भील, रामअवतार राठी, हरीश मालाकार और हेमंत पनवार नामक अन्य सिम विक्रेताओं के साथ मिलकर मलेशियाई नागरिक को सैकड़ों सिम कार्ड की आपूर्ति की।

राजस्थान राज्यसभा चुनाव: सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर ने भरा नामांकन

जयपुर, एजेंसी। देश के कई राज्यों में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया के बीच भाजपा ने राजस्थान में भी अपनी तैयारियों को तेज कर दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर ने सोमवार को राजस्थान से की दो सीटों के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले सतीश पूनिया ने जयपुर स्थित प्रसिद्ध श्री गोविंद देव जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर पिंक सिटी के मुख्य देवता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने इस अवसर की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंद देव जी महाराज के दर्शन कर उन्होंने सफलता के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में अपनी जीत को लेकर भरोसा जताया है। राज्यसभा डॉ. अल्का सिंह गुर्जर ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपने नॉमिनेशन पेपर फाइल किए। इससे पहले दोनों उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन फाइल करने से पहले भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की।

भाजपा ने दो सीटें जीतने का किया दावा

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है। राजस्थान विधानसभा में पार्टियों की मौजूदा संख्या के आधार पर भाजपा का दो सीटें जीतना लगभग तय है, जबकि कांग्रेस को तीसरी सीट मिलने की उम्मीद है। राजस्थान की तीन सीटों के लिए वोटिंग 18 जून को होगी। राजनीतिक सलाहकारों का मानना ??है कि पूनिया (एक प्रमुख जाट नेता) और गुर्जर (एक अच्छी पकड़ वाले गुर्जर चेहरे) को चुनना राजस्थान में चुनावी रूप से अहम दो समूहों के बीच समर्थन मजबूत करने की एक सोची-समझी कोशिश है। जाट और गुर्जर समुदाय कई विधानसभा क्षेत्रों में असर रखते हैं और भाजपा का यह कदम इन समूहों के कांग्रेस के मजबूत नेताओं का मुक़ाबला करने के लिए है। यह सामाजिक संतुलन पार्टी की 2028 के राज्य चुनावों की तैयारियों से भी जुड़ा है। विधानसभा में भाजपा के पास मजबूत बहुमत है। उम्मीद है कि सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर दोनों ही आने वाले राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल करेंगे जाट और गुर्जर समुदाय कई विधानसभा क्षेत्रों में असर रखते हैं। मुकाबला करने के लिए है। सीएम भजन लाल शर्मा ने दी शुभकामनाएं सीएम भजन लाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भाजपा राज्यसभा प्रत्याशी सतीश पूनिया और अलका सिंह गुर्जर के नामांकन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दोनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

स्कीम 114 के ग्रिड की बिजली वितरण क्षमता 25 एमवीए हुई

इन्दौर (निप्र)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश में शहर के ग्रिडों की क्षमता का क्रमश: विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में स्कीम नंबर 114 स्थित 33/11 केवी सब स्टेशन की क्षमता 20 एमवीए बढ़ाकर अब 25 एमवीए कर दी गई है। एसएसटीडी योजना के तहत पूर्व के 5 एमवीए के पीटीआर को हटाकर यहां टनों वजनी 10 एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर प्रोटोकॉल के साथ स्थापित कर सोमवार की शाम ऊर्जीकृत किया गया। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शहर अधीक्षण यंत्री श्री मनेंद्र गर्ग ने बताया कि विद्युत वितरण क्षमता वृद्धि के इस कार्य से करीब 10 कॉलोनियों को पांच हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी, भविष्य की बढ़ती बिजली मांग को आसानी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

जिले की ग्राम पंचायत कुमारिया बनवीर में जल संरक्षण के लिए स्टॉप डेम का निर्माण किया

देवास (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह मार्गदर्शन में देवास जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है।' 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाकर जल संकट के समाधान और भू-जल स्तर को सुधारने के उद्देश्य से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत कुमारिया बनवीर में 15वाँ वित्त जनपद मद से 5 लाख रूपये की लागत से स्टॉप डेम का निर्माण किया गया है। स्टॉप डेम पूर्ण होने से जल संरक्षण होगा और लगभग 56 लाख लीटर से अधिक पानी रुककर आसपास के कृषकों को लाभ प्राप्त होगा। ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के तहत नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीणों क्षेत्रों में दीवारों पर जल जागरूकता स्लोगन लिखे जा रहे है एवं कुएं-बावड़ियों की साफ-सफाई की जा रही है तथा इन पर जल संरक्षण संबंधी स्लोगन लिखकर जल संचय का संदेश दिया जा रहा है।

कृषक कल्याण वर्ष अंतर्गत आजीविका मिशन का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु गुजरात रवाना

इन्दौर (निप्र)। आजीविका मिशन का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु गुजरात रवाना हुआ। क्षेत्रीय आलू क्लस्टर के विकास अंतर्गत 3 जिलों का 24 सदस्यीय दल गुजरात के बनासकांठा जिले में आलू पर आधारित गतिविधियों को देखने एवं सीखने के उद्देश्य से गए हैं। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा क्षेत्रीय आलू क्लस्टर का विकास तीन जिले इंदौर, देवास एवं उज्जैन को मिलाकर किया जा रहा है। दल में महिला स्व सहायता समूह की दीदियां, महिला किसान उत्पादक कंपनी के पदाधिकारी के साथ आजीविका मिशन के अधिकारी शामिल है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन आजीविका मिशन की तकनीकी सहयोग संस्था, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से किया जा रहा है। इस भ्रमण का उद्देश्य आलू आधारित वैल्यू चेन गतिविधियों को समझना, आलू उत्पादन से लेकर विपणन एवं प्रसंस्करण तक की विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन करना तथा किसानों और उत्पादक संगठनों के लिए बेहतर आजीविका के अवसरों की जानकारी प्राप्त करना है।

महिला से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल। मंगलवारा थाना इलाके में एक 30 साल की आदिवासी महिला के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है. आरोपी पहले से ही शादीशुदा है और उसने महिला से झूठ बोलकर अपने प्रेमजाल में फंसाया. महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक फरियादी महिला इलाके में रहती है. मंडीबामोरा निवासी मनीष रघुवंशी पुत्र यशवंत सिंह रघुवंशी ने आदिवासी महिला को अपने प्रेमजाल में फंसाया. महिला के अनुसार मनीष रघुवंशी ने को उससे कुंवारा बताया और एक होटल में ले जाकर शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया. आरोपी ने इस दौरान महिला की आपत्तिजनक फोटो भी लिए. आरोप है कि युवक ने महिला के प्राइवेट फोटो वायरल करने की धमकी देकर बार- बार उसे मिलने का दवाब भी बनाया. आरोपी की हरकतों से परेशान होकर महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई. मंगलवारा थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर विदिशा से आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उद्यानिकी का रकबा बढ़ाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित करें : कृषि उत्पादन आयुक्त श्री वर्णवाल

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लक्ष्य कों सुनिश्चित

धार (निप्र)। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में इंदौर के एआईसीटीएसएल सभाकक्ष में सोमवार को रबी 2025-26 की समीक्षा एवं खरीफ- 2026 की तैयारी हेतु इंदौर संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी. आहूजा, उद्यानिकी विभाग के सचिव श्री जान किंग्स ली, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, उद्यानिकी संचालक श्री अरविंद दुबे सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कृषि , उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता एवं अन्य संबंधित संस्थाओं की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के संबंध में समीक्षा की। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर्स ने अपने-अपने जिलों में कृषि क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों के बारें में बताया। बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे योजना बनाकर निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ति करें। अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर भौतिक सत्यापन के साथ इसकी मॉनिटरिंग भी करें। राज्य शासन की समस्त योजनाओं का लाभ हितग्राही किसानों को मिले और कोई भी इससे वंचित नहीं रहें। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। किसानों के द्वारा उत्पादित फसल का भुगतान समय सीमा में सुनिश्चित किया जाये। बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने कहा कि अधिकारी किसानों से आग्रह करें कि उद्यानिकी में अपार संभावनाएं हैं, अतः किसानों के बीच जाकर उद्यानिकी का रकबा अधिक बढ़ाने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार कम मूल्य की फसलों के बजाय अधिक मूल्य वाली फसलों का उत्पादन अधिक करें। कृषि उत्पादन में वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकों का प्रयोग करें और नवाचार को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। अधिकारी किसानों को फसल उत्पादन के लिए समय पर बीज, उर्वरक आदि उपलब्ध करायें। खेतों में बीटी कॉटन के साथ अन्य कपास की प्रजातियों का भी उत्पादन करें, जिससे कीटों की समस्या कम होगी। सोयाबीन फसल के विकल्प के रूप में अरहर पूसा-16 को लगाकर उत्पादन बढ़ाया जायें। फसल उत्पादन के लिए किसान डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का इस्तेमाल करें। किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण करने के लिए प्रेरित करें। बेहतर मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला बनायें। किसानों की सुविधा के लिए सभी जिलों में खाद वितरण केन्द्र बनायें जायें। किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए भण्डारण केन्द्र पर पर्याप्त विश्राम शेड की व्यवस्था की जायें। उन्होंने कहा कि संभाग में कोई भी किसान नरवाई (फसल अवशेष) नहीं जलायें, इससे पर्यावरण को नुकसान होता है। नरवाई जलाने वाले किसानों के विरूद्ध पंचनामे और अर्थदण्ड की कार्रवाई में तेजी लायें। ई-मण्डी में भुगतान प्राप्त करने वाले किसानों को अधिक समय लग रहा है, उस पर ध्यान दिया जायें। यह प्रयास करें कि किसानों को ई-मण्डी में अपने भुगतान के लिए अधिक समय नहीं लगें। श्री वर्णवाल ने कहा कि संभाग के सभी कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संभाग में अधिक से अधिक पौधारोपण करायें। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी. आहूजा ने कहा कि किसानों को शून्य प्रतिशत पर ऋण उपलब्ध कराने के कार्य में तेजी लायें। पैक्स सदस्यता अभियान में तेजी लायें और शिविर लगाकर लक्ष्य को पूरा करें। सहकारिता बैंक अधिकारी कृषि ऋण वसूली में तेजी लायें। बैठक में कृषि विभाग के सचिव श्री निशांत वरवड़े ने कहा कि अधिकारी अमानक उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करें। ऐसे विक्रताओं के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायें। उन्होंने आगे कहा कि जो हितग्राही उर्वरक भण्डारों से आवश्यकता से अधिक उर्वरक प्राप्त कर रहा है, अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उर्वरक का इस्तेमाल खेती के लिए ही किया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लक्ष्य को सुनिश्चित करने के लिये तहसील स्तर पर शिविर आयोजित किये जाये। बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि संभाग में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों की फार्मल रजिस्ट्री बनाने के कार्य में तेजी लायी जा रही है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि इंदौर जिले में नरवाई जलाने की रोकथाम के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

पॉलीहाउस खेती से लाखों का शुद्ध लाभ कमा रहे ग्राम रुणिजा के किसान तेजराम नागर

उज्जैन (निप्र)। उद्यानिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाते हुए ग्राम रुणिजा के प्रगतिशील किसान श्री तेजराम नागर ने कृषि को लाभकारी व्यवसाय में सफलतापूर्वक परिवर्तित कर दिया है। श्री तेजराम नागर ने उद्यानिकी विभाग के सहयोग से लगभग 3 एकड़ कृषि भूमि पर आधुनिक पॉलीहाउस का निर्माण किया। इसमें उन्होंने खीरा (ककड़ी) की उन्नत खेती शुरू की। लागत की तुलना में उन्हें 3 से 4 गुना अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। विभाग द्वारा मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर योजना के अंतर्गत उन्हें 16 लाख 88 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया।

श्री तेजराम ने बताया कि एक एकड़ में औसतन 70 से 80 टन खीरे का उत्पादन हो रहा है। वे खीरे को 40 किलोग्राम की बॉक्स पैकिंग कर आस-पास के शहरों के साथ-साथ गुजरात के विभिन्न शहरों में भी भेज रहे हैं। उनके उत्पाद की बाजार में अच्छी मांग बनी हुई है। उन्होंने बताया कि उनके पास कुल लगभग 25 बीघा कृषि भूमि है, जिसमें मुख्य रूप से मिर्ची, प्याज तथा लहसुन की फसलें ली जाती हैं। पॉलीहाउस में खीरा-ककड़ी का उत्पादन हो रहा है। शासन की अन्य योजनाओं के तहत स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई संयंत्र लगवाने में भी उन्हें अनुदान प्राप्त हुआ है।

वे कुछ क्षेत्रों में जैविक खेती भी कर रहे हैं। पॉलीहाउस निर्माण के बाद एक सीजन में 8 से 10 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। वे वर्ष में दो फसलें ले रहे हैं। इस आधुनिक तकनीक ने उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। श्री तेजराम नागर ने उद्यानिकी विभाग द्वारा समय-समय पर दिए जा रहे मार्गदर्शन एवं स्ब्धुष्ठ॥ योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान के लिए विभाग तथा मध्यप्रदेश शासन का आभार व्यक्त किया है। उनकी यह सफलता अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

वाल्मीकि समाज द्वारा किया गया भोपाल तिराहे पर अंश बहौत्रा हुआ स्वागत

हॉकी इंडिया को दिए एशियन विनर, एशियन कप जीता अंडर-18 हॉकी एशिया कप में भारत ने जापान को हराया

नर्मदापुरम। जापान में हॉकी एशियन कप-2026 में भारत ने अंडर-18 हॉकी पुरुष एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल में भारत के सामने डिफेंडिंग चैंपियन जापान की चुनौती थी। टूर्नामेंट में जापान की टीम अभी तक अजेय थी। पुल राउंड में भारत को भी हराया था। टीम का खिलाड़ी खेले। टीम की यह तीसरी ट्रॉफी है।

जिले नर्मदापुरम ने हॉकी इंडिया एशियन विनर अंश बहौत्रा, और उनके साथ समाज सेवक वरिष्ठ डॉक्टर अतुल सेठा साथ में थे। जब अंश बहौत्रा ने नर्मदापुरम प्रवेश किया तो बाल्मिक समाज में उत्साह देखने को मिला विनर अंश बहौत्रा मैं सब प्रथम नर्मदा जी की मूर्ति पर माला अर्पण किया।

इस मौके पर वाल्मीकि समाज के सामाजिक के जिला पटेल रामदास बडगूजर, जिला चौधरी जीवनलाल कटारिया, जिला जमीदार संजू रेवाराम लुटारे , जिला वड़कुर आत्माराम खरे, गोविंदा गोदरे, उमेश बड़गूजर, रंजीत टांक, देवदास चावरे ,कैलाश चावरे, बबलू बहुत्र, दीपक चौहान, संजय लुटारे, ओमप्रकाश बड़गूजर,सोनू राठौर,सम्मी ,राजेश लुटाये ,गोगले हुकुम कटारिया, रितेश टांक, अशोक कल्याणे, अरविंद बड़गूजर, राहुल लोहारा ,पंकज चुटिले, अमन चुटिले, भूरा कलोटे, और भी अनेक लोग वाल्मीकि समाज के बंधु गण वहां पर उपस्थित थे।

आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत शासकीय डायलेसिस युनिट में नागरिकों को

नि:शुल्क डायलेसिस सेवा प्रदान की जा रही

उज्जैन (निप्र)। शहर के पिपलीनाका निवासी श्री प्रकाश शर्मा उम्र 45 वर्ष वाहन चालक का कार्य कर अपने परिवार का पालन पोषण करते है। वे अक्सर बीमार रहते थे व कमजोर होते जा रहे थे जिस कारण उनको दैनिक दिनचर्या वाले कार्य करने में भी परेशानी आ रही थी।

स्वास्थ्य मे लगातार गिरावट के कारण उनके परिजन श्री प्रकाश को प्रायवेट अस्पताल ले गए जहां पर चिकित्सक द्वारा उनकी जांच कर कीडनी खराब होना बताया गया तथा तुरन्त ही उन्हे डायलेसिस की आवश्यकता बताई गई ताकि श्री शर्मा को गंभीर स्थिति से बाहर लाया जा सके एवं उन्हें बचाया जा सके। परिवार द्वारा प्रायवेट अस्पताल में डायलेसिस करवाया प्रारंभ किया जब सप्ताह में दो बार डायलेसिस की आवश्यकता पढ़ने लगी और उसका खर्च अधिक आने लगा तो परिवार की आर्थिक स्थिति गड़बड़ाने लगी।क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता को इस बात की जानकारी लगी तो स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा श्री प्रकाश के परिजनों को बताया कि आप श्री प्रकाश को लेकर जिला चिकित्सालय उज्जैन जाए। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अन्तर्गत पात्रता होने पर उन्हे बीमारी का निःशुल्क उपचार प्राप्त हो सकेंगा। स्वास्थ्य कार्यकर्ता के बातों से प्रेरित होकर उनके परिजन उन्हें लेकर जिला चिकित्सालय उज्जैन आए जहां पर चिकित्सक द्वारा उनका निःशुल्क उपचार आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अन्तर्गत किया गया।आयुष्मान योजना अन्तर्गत श्री शर्मा का सप्ताह में दो बार निःशुल्क डायलेसित्त सिविल अस्पताल माधवनगर, उज्जैन की डायलेसिस यूनिट में किया जा रहा है। अब उनके परिवार को पहले से काफी राहत है कि सप्ताह में दो दिन डायलेसिस का खर्च आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा वहन किया जा रहा है। डायलेसिस के कारण अब प्रकाश पहले से अच्छा महसूस कर रहे है एवं उनके परिवार वाले भी उनके स्वास्थ्य मे सुधार से संतुष्ट है।

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन में शामिल होने आये विदेशों मेहमानों ने प्रसिद्ध 56 दुकान में मालवा के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया

इन्दौर (निप्र)। इंदौर में 9 जून से 13 जून तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि सम्मेलन में शामिल होने आये विदेशों मेहमानों ने इंदौर के प्रसिद्ध 56 दुकान में मालवा के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। राज्य शासन द्वारा मेहमानों का स्वागत पुष्पवर्षा से किया गया। ब्राजील, इथोपिया, इण्डोनेशिया, दक्षिण अफ्रिका आदि देशों से 56 दुकान पहुंचे मेहमानों ने मालवी व्यंजन शिंकजी, दही बड़ा, शाही पोहा, कचौड़ी, पेटिस, साबूदाने की खिचड़ी आदि व्यंजनों का लुत्फ लिया। व्यंजनों में हाईजीन का विशेष ध्यान रखा गया। उनके स्वागत के लिये शास्त्रीय संगीत की महफिल भी सजाई गई।

इतिहासकार जफर अंसारी सहित श्रवण जोशी ने विदेशी मेहमानों को मालवी व्यंजनों के फूड के बारे में जानकारी दी। साथ ही देवी अहिल्या की नगरी इंदौर के इतिहास से भी रूबरू कराते हुए बताया कि इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है।

56 दुकान संघ के पदाधिकारियों ने आतिथ्य परम्परा के अनुसार सभी मेहमानों का आत्मीय स्वागत कर उन्हें मालवी व्यंजन परोसे। मेहमानों के स्वागत के लिये 56 दुकान के परिसर को विशेष तौर पर सजाया गया। विदेशी मेहमानों ने मालवी व्यंजनों के लुत्फ उठाने के साथ 56 दुकानों के इतिहास के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मेहमानों को भाषा की सुगमता हेतु प्रशासन द्वारा बहुभाषी अनुवादकों की व्यवस्था भी की गई है। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

हर ग्राम में बनेगी एक 'लखपति गोपालक दीदी', पशुपालन और मत्स्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर दिया जायेगा विशेष ध्यान

इन्दौर (निप्र)। प्रदेश में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाने के उद्देश्य से कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में पशुपालन, डेयरी एवं मछुआ कल्याण विभाग की संयुक्त संभागीय समीक्षा बैठक इंदौर में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव, सचिव मत्स्य पालन श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुपालन को केवल सहायक व्यवसाय न मानकर ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक ग्राम में कम से कम एक 'लखपति गोपालक दीदी' तैयार करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। महिला स्व-सहायता समूहों को पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जाएं, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके।

उन्होंने क्षीरधारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में दुग्ध उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय को संगठित स्वरूप प्रदान किया जाए। दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पशुपालन और बेहतर विपणन सुविधाओं से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। श्री वर्णवाल ने हिरण्यगर्भ नस्ल सुधार अभियान को परिणाममूलक ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उन्नत नस्ल के पशुओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर नस्ल सुधार कार्यक्रम चलाए जाएं। कृत्रिम गर्भाधान और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाकर पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। बैठक में उन्होंने कहा कि पशुपालकों को संतुलित एवं पौष्टिक पशु आहार की जानकारी और उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संतुलित आहार से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु पोषण संबंधी जागरूकता अभियान भी चलाए जाएं।

बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव ने प्रदेश को उन्नत नस्ल के पशुओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाली नस्ल के पशुओं के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। यदि प्रदेश में ही उन्नत नस्ल के पशुओं का पर्याप्त उत्पादन होगा तो पशुपालकों को कम लागत पर स्थानीय स्तर पर बेहतर नस्ल के पशु उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। बैठक में ब्रीडर संघों के गठन पर भी चर्चा हुई।

श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु प्रजनन से जुड़े किसानों और उद्यमियों को संगठित कर ब्रीडर संघों का गठन किया जाए , जिससे गुणवत्तापूर्ण नस्ल विकास कार्यक्रमों को गति मिल सके। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे। इसके माध्यम से पशुपालकों को स्वरोजगार और आयवृद्धि के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में गोशालाओं की स्थिति और संचालन की भी समीक्षा की गई। श्री वर्णवाल ने निर्देश दिए कि गोशालाओं को आधुनिक, उन्नत और आत्मनिर्भर बनाया जाए। गोशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोशालाएं केवल पशु संरक्षण का केंद्र न रहकर जैविक खेती, गोबर गैस, वर्मी कम्पोस्ट और अन्य आयवर्धक गतिविधियों का भी केंद्र बनें। उन्होंने दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करने के निर्देश दिए। इसके लिए बेहतर नस्ल, गुणवत्तापूर्ण चारा, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आधुनिक पशुपालन पद्धतियों को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।

बैठक में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य पालन विभाग की गतिविधियों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जलाशयों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों का अधिकतम उपयोग कर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। मत्स्य पालन को ग्रामीण रोजगार और आय का महत्वपूर्ण साधन बनाते हुए उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। श्री वर्णवाल ने मत्स्य पालन में केज कल्चर (केज पद्धति) को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में वैज्ञानिक पद्धति से केज स्थापित कर कम क्षेत्र में अधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इससे मछुआरों की आय में वृद्धि होगी और प्रदेश के मत्स्य उत्पादन को नई गति मिलेगी।

संपादकीय

क्या योगी सरकार पर असर होगा?

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में आए दिन होने वाले पुलिस एनकाउंटर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेहद तल्ख टिप्पणी की है। यह टिप्पणी सीधे सीधे राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार के खिलाफ है, जिसने पुलिस एनकाउंडर और बुलडोजर को ही अपनी पहचान बना लिया है। हालांकि कोर्ट की कड़ी टिप्पणी का योगी सरकार पर कितना असर होगा, कहना मुश्किल है। एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यूपी पुलिस के लिए संविधान नहीं, राजनीतिक आकाओं की खुशी बड़ी है। मलाईदार तैनाती के लिए उन्हें खुश करना ही उनका मकसद है। भले ही इसके लिए उन्हें किसी की अवैध गिरफ्तारी करनी पड़े या फर्जी मुठभेड़, वे करने से नहीं घबराते। उन्हें भरोसा है कि उन्हें उनके आका बचा लेंगे। यही कारण है कि यूपी में कानून का राज नहीं, बल्कि अफसरों की सनक और राजनीतिक आकाओं को खुश करने का खेल अपने चरम पर हैं। इस तल्ख टिप्पणी के साथ साथ न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में एक ही परिवार के पिता - पुत्र और बहू के ख़िलाफ़ गैंगस्टर अधिनियम के तहत लंबित अपराधिक कार्यवाही रद्द कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि 35 वर्षीय गृहिणी ललिता त्यागी को एफआईआर दर्ज होने के अगले ही दिन गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उनके खिलाफ गिरफ्तारी को उचित ठहराने वाला कोई ठोस आधार अभिलेखों पर मौजूद नहीं था। कोर्ट ने गाजियाबाद के तत्कालीन पुलिस आयुक्त और वर्तमान में प्रयागराज जोन के आईजी अजय कुमार मिश्रा की भूमिका पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों पर पर्याप्त पर्यवेक्षण नहीं रखा और गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही को स्वीकृति देने में आवश्यक सावधानी नहीं बरती। यह सचाई है कि पुलिस के ऐसे कथित एनकाउंटर और अवैध अतिक्रमणों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को राज्य सरकार बढ़ावा देती रही है। कुछ मामलों में यह सही भी हो, लेकिन अधिकांश मामलों में तो 'जो हम करें से कायदा' वाली मानसिकता है। कोर्ट ने साफ कहा कि राज्य में अफसरों की निष्पक्षता खत्म हो चुकी है और वे अपनी कुर्सियां बचाने के लिए लक्षित अभियोजन चला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यूपी में एनकाउंटरो और बुलडोजर पर भी जातीय और साम्प्रदायिक राजनीति हो रही है। विपक्ष इसे जाति और धर्म के चश्मे से देख रहा है। जबकि सरकार इसे अपराध और माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति बता रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 31 मार्च 2017 से 5 सितंबर 2024 तक कुल 207 अपराधी मुठभेड़ में ढेर हुए हैं। इसमें 67 मुस्लिम, 20 ब्राह्मण, 18 ठाकुर, 16 यादव, 17 गुर्जर-जाट, 14 एससी, 3 एसटी, 2 सिख, 8 अन्य ओबीसी और 42 अन्य जाति और धर्म के लोगों का यूपी पुलिस ने एनकाउंटर किया। जा चुका है. यह आंकड़ा 2017 से 5 सितंबर 2024 तक का है। इस तरह कुल 138 हिंदू और 67 मुस्लिमों के एनकाउंटर किए गए हैं। इसी तरह सपा नेता अखिलेश यादव ने आरोप लगाया? कि राज्य बुलडोजर कार्रवाई के नाम पर दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जाता है, जबकि ऊंची जाति के अपराधियों पर वैसी सख्ती नहीं होती। अखिलेश ने तो यहां तक आरोप लगाया कि यूपी में अपराध नियंत्रण अब खुद अपराधियों के हाथों में पहुंच गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'भाजपा राज में महाभ्रष्ट शासन-प्रशासन ने जनता का विश्वास खो दिया है। हत्याओं और एनकाउंटर ने उप्र की छवि को पूरी तरह नकारात्मक बना दिया है। भाजपा खुद अपराधी है।' उधर योगी सरकार का मानना है कि इस तरह की सख्त कार्रवाइयां उसकी यूसपी हैं। जनता के बड़े वर्ग का समर्थन उसे प्राप्त है। ऐसे में कोर्ट की टिप्पणियों का उस पर कुछ भी असर होना असंभव है।

स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी से दूर भागती सरकार

मई के प्रथम सप्ताह में भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिये जिनकी विवेचना जरूरी है। सरकार ने तय किया है कि अब देश के 15 लाख सरकारी स्कूलों का संचालन एक समिति करेगी। जिसमें प्राचार्य शिक्षकों के अलावा 75 प्रतिशत सदस्य छात्रों के अभिभावक याने तीन चौथाई सदस्य अभिभावक होंगे। यह भी निर्णय किया कि 30 लाख रुपये तक के जो स्कूल-भवन में सार्वजनिक कार्य होंगे वह कार्य यह समिति ही करायेगी, किसी अनुमति की ऊपर से आवश्यकता नहीं होगी। तथा अब ये शिक्षण संस्थायें सीएसआर से याने कारपोरेट सोशल रिस्पान्सबिलिटी के तहत सार्वजनिक या निजी उद्योगों से मदद ले सकते हैं। ऊपरी तौर पर यह निर्णय सत्ता के विकेन्द्रीकरण का लगता है और शालाओं के संचालन की कुंजी की चाबी मुख्यत अभिभावकों की समिति को देते हैं। यह भी निर्णय हुआ है कि धन संबंधित चौक आदि पर प्राचार्य के साथ-साथ अभिभावक समिति के अध्यक्ष के भी हस्ताक्षर होंगे। निसंदेह यह निर्णय छात्रों के सबसे शुभचिंतक उनके अभिभावकों को अधिकार देते हैं। परंतु शिक्षा क्षेत्र की जो वास्तिविकतायें हैं उनके आधार पर भी सोचना होगा। क्योंकि सरकार का कार्य जमीन पर कम प्रचार पर अधिक चलता है।

रघु ठाकुर

जैसे कुछ दिनों पहले यह कहा गया था कि नई शिक्षा नीति में प्रति छात्र बजट में 130 प्रतिशत की वृद्धि की गई, याने लगभग सवा गुना परंतु सरकारी शिक्षण संस्थाओं में नई शिक्षा नीति के बाद कितने स्कूल बंद हुए और कितने छात्रों की संख्या घटी है इसका उल्लेख नहीं किया गया। जबकि तथ्य यह है कि देश में लगभग डेढ़ से दो लाख स्कूल बंद कर दिये और छात्रों की संख्या बहुत घट गई। राज्य सरकारों ने यह तर्क दिया है कि स्कूलों में छात्र नहीं थे या नगण्य थे इसलिये बंद कर दिये गये, तब इस पर भी विचार होना चाहिए कि स्कूलों में छात्र कम हुए तो इसमें किसकी जवाबदेही है। क्या यह तथ्य नहीं है कि देश के 1 लाख स्कूलों में अपर्याप्त शिक्षक, यहां तक की सैकड़ों हजारों स्कूलों में मात्र एक-एक शिक्षक से स्कूल चलता था और शिक्षक गाँव की जगह दूर शहर में रहते थे। इस प्रकार के हालातों के चलते लाचार होकर अभिभावकों को निजी शिक्षण, दुकानों में शरण लेनी पड़ी और जिनकी आर्थिक क्षमता अच्छी नहीं थी उनके बच्चे शिक्षा से वंचित हो गये। 2020 में नई शिक्षा नीति आने के बाद सत्ता के प्रचारकों ने यह लिखना शुरू कर दिया कि शिक्षा में बहुत विकास हो रहा और अब सरकार के समक्ष शिक्षा को अंतरराष्ट्रीयकरण की चुनौती है। अब यह भी लिखा जा रहा है कि नई शिक्षा नीति के आने के बाद पहले के मुकाबले इन स्कूलों में खेलों के मैदान की सुविधा हो गई जबकि यह पूर्णतरू झूठ है। नई शिक्षा नीति में यह प्रावधान किया गया कि खेल मैदानों व जिम आदि की साझेदारी की व्यवस्था हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप जिन स्कूलों में खेल मैदान नहीं हैं उन्होंने दूसरे स्कूलों के साथ खेल मैदान की साझेदारी दिखा दी तथा सरकारी आंकड़ा संतुष्ट हो गया। सच्चाई यह है कि इस शेयरिंग के नाम पर सरकार ने सरकारी और निजी शिक्षण संस्थाओं को छात्रों की उस मौलिक जरूरत से वंचित कर दिया है याने खेल कूद जो उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिये आवश्यक है। यही स्थिति पुस्तकालयों की है।

मैं कितने ही स्कूलों को देख रहा हूँ कि बच्चों को खेलने की 1 फुट जमीन नहीं है और स्कूलों को इस शेयरिंग के नाम पर सरकार की अनुमति प्राप्त है, तथा यह मनमाना पैसा लूट रहे है। शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण की चुनौती नहीं है बल्कि चुनौती शिक्षा के स्वदेशीकरण की है। भारत सरकार ने बाकायदा घोषित कर 100 विदेशी विश्वविद्यालयों को देश में आने की अनुमति दी है। पूर्व से ही विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अब सरकारी विवि और निजी विवि लगभग बराबर ही है। या हो सकता है कि निजी विवि कुछ ज्यादा हो।

आज देश में लाखों सरकारी स्कूलों के शाला भवन संख्या में अपर्याप्त है और जो हैं उनमें आवश्यक सुविधायें नहीं हैं। हजारों तो खंडहर में बदल गये। पिछले साल बरसात में मप्र के सागर जिले के शाहपुर कस्बे में एक क्षतिग्रस्त शाला भवन की दीवार गिरने से कई छात्रों की मौत हो गई और सरकार ने अपनी कार्यवाही बताने के लिये आदेश जारी कर दिया कि जो क्षतिग्रस्त शाला भवन हैं उन्हें गिरा दिया जाये। परंतु यह नहीं सोचा कि अब इन शालाओं के विद्यार्थी कहां जायेंगे। और ये शाला भवन कब बनेंगे। मप्र के सागर जिले के सानौधा गांव में मैं पिछले साल दौरे पर गया था, सानौधा गांव सागर जिले का एक बहुत बड़ा गांव है और उस गांव की शाला में आसपास के कई गांव के विद्यार्थियों जिनकी संख्या लगभग 3000 थी पढ़ते थे। वह शाला भवन तो टूट गया, नया बना नहीं, सरकार ने धन राशि दी नहीं और अब बच्चे खुले मैदान में पढ़ रहे हैं। यह तो मैंने एक घटना उद्धृत की है, न जाने इस प्रकार के कितने स्कूल मप्र व देश में होंगे। मप्र में सरकारी स्कूलों में 52 हजार शिक्षक के पद खाली हैं। प्राथमिक शिक्षा के स्कूलों में 47 हजार शिक्षक के पद खाली हैं और 7 हजार स्कूल ऐसे हैं जिसमें केवल एक शिक्षक है। ऐसी स्थिति अन्य राज्यों की भी है। बिहार में 2.75 लाख, झारखंड में लगभग 1 लाख, प.बंगाल में 77000, शिक्षकों के पद खाली हैं। मप्र के जिन 7 हजार स्कूलों में मात्र एक शिक्षक है, उनमें 2 लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं, कल्पना कीजिये कि इन बच्चों की पढ़ाई कैसे होती होगी? मजेदार बात यह है कि, 463 ऐसे भी स्कूल हैं जिनमें एक भी छात्र नहीं पढ़ता है, परंतु सरकार के अनुसार इनमें 223 शिक्षक पदस्थ हैं। याने बगैर किसी पढ़ाई के शिक्षक वेतन ले रहे हैं। यह स्थिति अकेले मप्र की नहीं है बल्कि लगभग देश के उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से की है। अब यह समितियां बन जायेंगी जिनमें 75 प्रतिशत अभिभावक समिति में सदस्य होंगे परंतु जब स्कूल के भवन के लिये सरकार ने बजट ही नहीं दिया तब यह स्कूल कैसे बनेंगे? कहां से 30 लाख रुपये खर्च करेंगे, (जब पैसा ही नहीं होगा) कुल मिलाकर सरकार को एक बहाना अवश्य मिल जायेगा कि अब जवाबदार हम नहीं हैं बल्कि यह समितियां हैं। 31 मई के अखबारों में खरगोन जिले की खबर छपी है जहां अनेक स्कूलों के भवन जर्जर हैं या गिर गये हैं। नये भवन बनाने का सरकार ने जो पैसे की घोषणा की वह नहीं पहुंचा, जबकि जून माह शुरू हो रहा है याने बारिश सिर पर है, क्या ये भवन बन सकेंगे? इनमें प्रवेश लेने वाले छात्र वहाँ पढ़ेंगे? यही स्थिति शिक्षकों के बारे में होगी। क्योंकि शिक्षकों की नियुक्ति और वेतन आदि सरकार देती है परंतु अब सरकार कहेगी कि स्कूलों में बगैर शिक्षक या शिक्षकों की कमी या अन्य कारणों से जो गिरावट होगी उसकी जवाबदारी हमारी नही है बल्कि इन समितियों की जवाबदारी है। याने अपराधी सरकार बच जायेगी तथा निर्दोष प्राचार्य व समितियों के सदस्य गुनाहगार बन जायेंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में बताया गया है कि प्राथमिक शिक्षा में ड्राप आउट बहुत घट चुका है लगभग शून्य के बराबर है। क्या कभी सरकार ने इसके बारे में सोचा कि ऐसा क्यों है? जो थोड़े भी समर्थ हैं, वे अपने बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिये निजी शिक्षण संस्थाओं में भेज रहे जो समर्थ नहीं हैं, वे लाचार लोग सरकारी स्कूलों में भर्ती कर तथा उनके सामने छोड़कर जाने के अलावा उनके सामने कोई भी रास्ता नहीं है। अगर छोड़कर जाये तो कहां जाएं क्योंकि आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि वे न बाहर भेज सकते हैं, न निजी शिक्षण संस्थाओं में भेज सकते हैं। यही कारण है कि हाई स्कूल की शिक्षा में पहुंचते पहुंचते 55 प्रतिशत छात्र ड्राप आउट हो रहे हैं। जो शिक्षकों की शिक्षा का स्तर है उसे तो क्या कहा जाये। मप्र में नीति आयोग के अनुसार जो शिक्षकों की परीक्षायें हुई उसमें अधिकांश शिक्षक स्वत अपने विषय में 60 प्रतिशत अंक नहीं पा सके। क्या शिक्षा के इन हालात के चलते शिक्षा का कोई वास्तविक विकास हो सकेगा? मुझे लगता है कि भारत सरकार ने विकेन्द्रीकरण के नाम पर अपना बचाव भर कर लिया है। अब प्राथमिक व स्कूली शिक्षा की हर त्रुटि की जिम्मेदारी शिक्षक-अभिभावक कमेटी की होगी। अभिभावक-शिक्षक कमेटी गांव में गाली खायेंगे और सरकार दिल्ली में बैठकर अपनी पीठ थपथपायेगी। बड़े बड़े विज्ञापन छपवायेगी। शायद ऐसे दिन आने वाले हैं कि अब शिक्षा व शिक्षक का विकास सरकारी और निजी शिक्षण संस्थाओं के मालिकों के विज्ञापन में मिलेगा परंतु जमीन पर सूखा मैदान होगा।

अध्यात्म

सच्ची सेवा - भावना!

एक संत ने एक विश्व-विद्यालय आरंभ किया।इस विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य था ऐसे संस्कारी युवक-युवतियों का निर्माण जो समाज के विकास में सहभागी बन सकें।

एक दिन उन्होंने अपने विद्यालय में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसका विषय था - 'जीवों पर दया एवं प्राणिमात्र की सेवा। '

निर्धारित तिथि को तयशुदा वक्त पर विद्यालयके कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रतियोगिता आरंभ हुई।किसी छात्र ने सेवा के लिए संसाधनों की महत्तापर बल देते हुए कहा कि हम दूसरों की तभीसेवा कर सकते हैं जब हमारे पास उसके लिएपर्याप्त संसाधन हों। वहीं कुछ छात्रों की यह भीराय थी कि सेवा के लिए संसाधन नहीं, भावनाका होना जरूरी है।

इस तरह तमाम प्रतिभागियों ने सेवा के विषयमें शानदार भाषण दिए। आखिर में जबपुरस्कार देने का समय आया तो संत ने एकऐसे विद्यार्थी को चुना, जो मंच पर बोलने केलिए ही नहीं आया था।

यह देखकर अन्य विद्यार्थियों और कुछ शैक्षिकसदस्यों में रोष के स्वर उठने लगे। संत ने सबको शांत कराते हुए बोले, 'प्यारे मित्रो ववविद्यार्थियो, आप सबको शिकायत है कि मैंनेऐसे विद्यार्थी को क्यों चुना, जो प्रतियोगिता मेंसम्मिलित ही नहीं हुआ था। दरअसल, मैंजानना चाहता था कि हमारे विद्यार्थियों में कौनसेवाभाव को सबसे बेहतर ढंग से समझता है।

इसीलिए मैंने प्रतियोगिता स्थल के द्वार पर एकघायल बिल्ली को रख दिया था। आप सब उसीद्वार से अंदर आए, पर किसी ने भी उस बिल्लीकी ओर आंख उठाकर नहीं देखा। यह अकेलाप्रतिभागी था, जिसने वहां रुक कर उसकाउपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़आया। सेवा-सहायता डिबेट का विषय नहीं, जीवन जीने की कला है।

जो अपने आचरण से शिक्षा देने का साहस नरखता हो, उसके वक्तव्य कितने भी प्रभावी क्योंन हों, वह पुरस्कार पाने के योग्य नहीं है।

गंभीर प्रदूषण की चपेट में हैं सभी महासागर

प्लास्टिक प्रदूषण के अलावा जलवायु परिवर्तन भी महासागरों के लिए खतरा बन चुका है। महासागरों का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण तूफानों की तीव्रता और संख्या में वृद्धि हो रही है। अरब सागर, जो पहले अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब गर्म हो चुका है। इससे मानसून के पूर्व सत्र में लगातार पांच वर्षों तक चक्रवातों की संख्या में तेजी आई है। आईपीसीसी की जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रोक्सी कौल के अनुसार, यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं और इससे समुद्री पारिस्थितिकी और मानव जीवन दोनों को खतरा है। बहरहाल, वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की राय में समुद्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक कठोर उपाय अपनाने होंगे। प्लास्टिक उत्पादन, खपत और निपटान को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति और जन-जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी हो गया है।

योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर मुख्यतः पांच प्रमुख महासागर हैं, प्रशांत महासागर, हिन्द महासागर, अटलांटिक महासागर, उत्तरी ध्रुव महासागर और दक्षिणी ध्रुव महासागर। ये सभी महासागर न केवल धरती के पारिस्थितिक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बल्कि मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार की सेवाएं भी प्रदान करते हैं लेकिन दुर्भाग्यवश आज ये सभी महासागर गंभीर प्रदूषण की चपेट में आ चुके हैं। हर साल 8 जून को 'विश्व महासागर दिवस' मनाया जाता है, जिससे मानव जीवन में समुद्रों की अहमियत, महासागरों की साफ-सफाई और उनकी सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाई जा सके लेकिन जिस रफ्तार से समुद्रों में प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन बनकर रह गया है। 'विश्व महासागर दिवस' की वर्ष 2026 की थीम है 'पुनर्कल्पना-हमारी जानी-पहचानी दुनिया से परे, हमारे महासागर के साथ एक नया रिश्ता', जो हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करती है कि महासागर केवल जलराशि नहीं बल्कि पृथ्वी के जीवन, जलवायु और जैव विविधता के आधार हैं।

दुनियाभर के महासागर बढ़ते मानवीय क्रियाकलापों के कारण बुरी तरह प्रदूषित हो रहे हैं। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, औसतन हर मिनट एक ट्रक प्लास्टिक कचरा समुद्रों में फैंका जा रहा है। इसके अलावा, भारी मात्रा में सीवेज, औद्योगिक रसायन और जहरीले तत्व भी समुद्रों में पहुंच रहे हैं। अरबों टन प्लास्टिक कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है, जो न तो आसानी से विघटित होता है और न ही पूरी तरह समाप्त होता है। यह वर्षों तक समुद्र में पड़ा रहकर समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित करता है। समुद्रों में समाते इन प्लास्टिक कणों और रासायनिक तत्वों का समुद्री वनस्पतियों और जीव-जंतुओं पर बेहद घातक असर पड़ता है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक, महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जल का पीएच मान घट रहा है, पोषक तत्वों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और ऑक्सीजन की कमी भी स्पष्ट रूप से दर्ज की जा रही है। इन सभी प्रभावों का सीधा असर समुद्री पारिस्थितिकी पर पड़ता है। भारतीय उपमहाद्वीप से भी हर वर्ष करोड़ों टन भारी धातुएं और लवणीय तत्व हिन्द महासागर में प्रवाहित हो जाते हैं। समुद्रों में सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक कचरे से है, जिसे समुद्री जीव भोजन समझकर निगल जाते हैं। कई बार व्हेल, समुद्री कछुए और डॉल्फिन जैसे जीव मछली पकड़ने वाले जाल या अन्य प्लास्टिक अपशिष्ट को खा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि प्लास्टिक में मौजूद विषैले रसायन समुद्री जीवों के शरीर में चले जाते हैं। इन मछलियों और समुद्री जीवों को दुनिया भर में लगभग 3 अरब लोग भोजन के रूप में उपयोग करते हैं। इस प्रकार यह प्रदूषण मानव स्वास्थ्य को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। नार्वे के पास

वैज्ञानिकों को 'किलर व्हेल' के चर्बी ऊतकों में पीसीबी जैसे विषैले रसायनों के उच्च स्तर मिले हैं, जो कई देशों में दशकों पहले ही प्रतिबंधित किए जा चुके हैं। साथ ही 'पीएफएएस' नामक रसायन भी इन जीवों में पाए गए हैं, जो हार्मोन संतुलन, प्रजनन क्षमता और जीवनचक्र पर बुरा असर डालते हैं। वैज्ञानिकों ने व्हेल्स के शरीर में 'ब्रॉमिनेटेड फ्लेम रिटार्डेंट्स' भी खोजे हैं, जो पीढ़ियों में ट्रांसफर होकर अगली पीढ़ी तक जहरीले असर छोड़ते हैं। स्पेनिश नेशनल रिसर्च काउंसिल द्वारा किए गए एक शोध में समुद्री कछुओं के पेट और मांसपेशियों में प्लास्टिक यौगिकों के उच्च स्तर पाए गए हैं। पूर्वी स्पेन के कैटलन तट पर और बेलिएरिक द्वीपों में मृत पाए गए 'लॉगरहेड' प्रजाति के 44 समुद्री कछुओं के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आए। इनके शरीर में मौजूद यौगिक हार्मोन सिस्टम, न्यूरोलॉजिकल और कैंसरजनक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं।

महासागरों में प्लास्टिक पहुंचने का सबसे बड़ा जरिया नदियां हैं। हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा नदियों के जरिए समुद्रों तक पहुंचता है। 'प्लास्टिक वेस्ट मेकर्स इंडेक्स' रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में पूरी दुनिया में 130 मिलियन मीट्रिक टन एकल उपयोग वाला प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ। इसमें से केवल 35 प्रतिशत को ही जलाया गया, 31 प्रतिशत को जमीन में दबाया गया और 19 प्रतिशत को खुले में या समुद्रों में फैंक दिया गया। 'साइंस एडवांसेज' जर्नल में प्रकाशित 'ओशियन क्लीनअप' संगठन के अनुसार समुद्रों में प्लास्टिक प्रदूषण फैलाने वाली नदियों की संख्या हजारों में है लेकिन केवल एक हजार नदियां ही 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं। इन नदियों में से अधिकांश छोटी और मध्यम आकार की ही हैं, न कि केवल विशाल नदियां, जैसा पहले माना जाता था। फिलीपींस, चीन, भारत और मलेशिया जैसी देशों की नदियां समुद्रों में प्लास्टिक पहुंचाने के मामले में अग्रणी हैं। अकेले फिलीपींस की 4800 नदियां हर साल 3.5 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक समुद्रों तक पहुंचाती हैं। भारत की 1100 से ज्यादा नदियां हर साल 1.25 लाख टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंचाती हैं। प्लास्टिक प्रदूषण के अलावा जलवायु परिवर्तन भी महासागरों के लिए खतरा बन चुका है। महासागरों का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण तूफानों की तीव्रता और संख्या में वृद्धि हो रही है। अरब सागर, जो पहले अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब गर्म हो चुका है। इससे मानसून के पूर्व सत्र में लगातार पांच वर्षों तक चक्रवातों की संख्या में तेजी आई है। आईपीसीसी की जलवायु वैज्ञानिक डॉ. रोक्सी कौल के अनुसार, यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं और इससे समुद्री पारिस्थितिकी और मानव जीवन दोनों को खतरा है। बहरहाल, वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों की राय में समुद्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक कठोर उपाय अपनाने होंगे। प्लास्टिक उत्पादन, खपत और निपटान को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति और जन-जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी हो गया है। तभी हम आने वाली पीढ़ियों के लिए समुद्रों को सुरक्षित और स्वच्छ बना पाएंगे।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। पिता के प्रति मन में आदर का भाव बढ़ेगा। परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण रहेगा।

वृषभ

विधिक मामलों में सावधानी रखने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक विषयों पर अध्ययन कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

मिथुन

जीवनसाथी के प्रति आपसी विश्वास में कमी हो सकती है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य अटक सकते हैं। आलस्यपूर्ण व्यवहार करने से बचें।

कर्क

कार्यक्षेत्र में दैनिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्च पद मिल सकता है। अल्प प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जायेंगे।

सिंह

जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में कुछ परिवर्तन ला सकते हैं। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा। माता-पिता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कन्या

आपके मित्र या सम्बन्धी ही आपको अपमानित करने का प्रयास कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में शुभ परिणाम प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

तुला

अपनी छवि की चिन्ता रहेगी। व्यवसाय में धन की कमी होने की आशंका है। आपके घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। घर में अचानक बिना बुलाये मेहमान आ सकते हैं।

वृश्चिक

समय का सदुपयोग अवश्य करें। घर के किसी अविवाहित सदस्य के विवाह की चर्चा हो सकती है। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका उठना-बैठना रहेगा।

धनु

गरिष्ठ भोजन का सेवन करने से बचें। ऐसा भोजन कब्ज और माइग्रेन का कारण बन सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षड़यन्त्र रच सकते हैं। कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ने की सम्भावना है।

मकर

यदि आप किसी समस्या से परेशान हैं, तो आपको उसका समाधान मिल सकता है। धैर्यवान होकर कार्य पूर्ण करें। जीवनसाथी का सहयोग अपने कार्य को लेकर ऊर्जा प्रदान करेगा।

कुंभ

उच्च अधिकारियों से असन्तुष्ट हो सकते हैं। आपकी राय लोगों के लिये अत्यधिक महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है। बहुमूल्य वस्तुओं को सम्भालकर रखें।

मीन

महिलायें अपनी साज-सज्जा पर अत्यधिक ध्यान देंगी। अपनी कल्पनाओं को साकार करने का अवसर मिलेगा। मन में नये कार्यों को लेकर उत्साह की भावना रहेगी।

रोजाना सुबह साइकिल चलाने के 5 फायदे

साइकिल चलाने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ्य रहता है बल्कि ये मेंटल हेल्थ के लिए भी यह काफी फायदेमंद है। आप इसे वर्कआउट के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते है साइकिल चलाने के फायदे, विश्व साइकिल दिवस का इतिहास, किन लोगों को नहीं करनी चाहिए साइकिलिंग और इससे जुड़ी तमाम जानकारी।

वजन घटाने के लिए आप साइकिलिंग कर सकते हैं। इसे चलाने से कैलोरी बर्न होती है। इससे आपको वजन कम करने काफी मदद मिलती है।

पैसों की बचत

अगर आप आसपास कहीं जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसा करने से आपके पेट्रोल के पैसे बचेंगे। साथ ही ट्रेफिक में फंसने की दिक्कत नहीं होगी।

साइकिलिंग करना एक कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज है। ऐसा करने से आपका शरीर मजबूत बनता है। साथ ही कई तरह की बीमारियों से बचाव को तैयार होता है।

चिंता करे कम

कई रिसर्च में ये बात साबित हो चुकी है कि जब शरीर में हार्मोन रिलीज होता है तो इससे चिंता कम होती है। ऐसे में साइकिलिंग करने से स्ट्रेस कम होता है।

दिमाग करे तेज काम

साइकिलिंग करने से ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन व न्यूट्रिएंट्स की मात्रा बढ़ती है। इससे दिमाग तेज काम करता है।

किन लोगों को नहीं करनी चाहिए साइकिलिंग?

घुटनों की समस्या से पीड़ित लोग

मिर्गी के दौरे वाले लोग

सांस की प्रॉब्लम से परेशान लोग

रोजाना कितनी देर चलाएं साइकिल?

यूं तो हर व्यक्ति की शरीर की क्षमता अलग-अलग होती है। ऐसे में कितनी देर साइकिल चलानी चाहिए वो लोगों की व्यक्तिगत क्षमताओं पर निर्भर करता है। लेकिन अगर वर्कआउट के लिए आपको साइकिलिंग करनी है तो आप रोजाना शुरुआती दिनों में करीब 15 मिनट साइकिल चला सकते हैं। वहीं अगर कोई व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ्य है तो रोजाना 30 मिनट आराम से साइकिल चला सकता है।

रोजाना सुबह साइकिलिंग करने के फायदे

रोजाना सुबह साइकिल चलाने से शरीर में एनर्जी आती है। क्योंकि इससे ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इसके साथ ही पैरों, हाथों और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

साइकिलिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान

साइकिल के ब्रेक, टायर और चेन की नियमित जांच करें। फ्लैट और सख्त जूते पहनें, ताकि पैडल पर सही पकड़ बने। साइकिल चलाते समय आरामदायक कपड़े पहनें। खाने के तुरंत बाद साइकिल न चलाएं। साइकिलिंग से पहले बहुत ज्यादा पानी न पिएं। अंधेरे में साइकिलिंग करने से बचें। लंबी दूरी तय करते समय पानी पीते रहें।

साइकिल से जुड़े रोचक तथ्य

विश्व की सबसे लंबी साइकिल 20 मीटर की थी। इसमें 35 लोग बैठे थे।

एक कार 15 साइकिल की जगह लेती है।

पहली साइकिल फ्रांस में बनाई गई थी।

फ्रेड ए बिर्चमोर नामक व्यक्ति ने 1935 में साइकिल से पूरे विश्व की सैर की थी।

नीदरलैंड में करीब 30 प्रतिशत ट्रिप साइकिल से की जाती हैं।

टूर डी फ्रांस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और पुरानी साइकिलिंग रेस है।

विश्वभर में हर साल 100 मिलियन से भी ज़्यादा साइकिल निर्माण की जाती हैं।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक रोजाना साइकिल चलाने से वजन घटाने और पैरों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। ऐसे में आपको जब भी टाइम मिले रोजाना थोड़ी देर साइकिलिंग जरूर करें।

सोने से पहले पिएं ये चमत्कारिक चाय, बिस्तर पर जाते ही आएगी गहरी नींद

आज के समय भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच लोगों में नींद न आने की समस्या आम हो गई है। कई लोग तो सोने के लिए बिस्तर पर चले जाते हैं, लेकिन वे घंटों करवटें बदलते रह जाते हैं और उन्हें नींद नहीं आती है। अगर आप भी इस तरह की समस्या से जूझ रहे हैं, तो सोने से पहले दालचीनी की चाय का सेवन कर सकते हैं।

दिमाग को शांत करता है दालचीनी की चाय

दरअसल, अधिकतर किचन में दालचीनी का उपयोग खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। हालांकि, आप इससे चाय भी बना सकते हैं। दालचीनी में कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो तनाव को कम करने के साथ-साथ दिमाग को भी शांत करते हैं।

'स्लीप टॉनिक' है दालचीनी

रात के समय सोने से करीब 30 मिनट पहले अगर आप दालचीनी की चाय का सेवन करते हैं, तो आपका शरीर रिलैक्स हो जाता है। इसके सेवन से दिनभर की थकावट भी कम होती है। रात के समय बार-बार नींद टूटने की समस्या भी इससे दूर हो जाती है।

कैसे बनाएं दालचीनी की चाय?

दालचीनी की चाय बनाने के लिए आप सबसे पहले एक पैन में पानी को गर्म करें। अब आप इसमें दालचीनी का एक छोटा टुकड़ा डाल दें। करीब 5-7 मिनट तक इसे धीमी आंच पर पकाएं। आप इसकी स्वाद को बढ़ाने के लिए इसमें शहद भी मिला सकते हैं। अब इसे छानकर कर पी लें। इसके सेवन से नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

क्या गर्मियों में खजूर खा सकते हैं?

इस तरह डेली डाइट में करें शामिल

खजूर में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइबर, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होने के कारण इसे सुपरफूड कहा जाता है। इसे खाने से कई तरह के फायदे होते हैं। हालांकि, देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस मौसम में शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है, जिसके कारण अधिकतर लोग गर्म चीजों के सेवन से परहेज करते हैं।

खजूर को डेली डाइट में करें शामिल

वैसे तो खजूर की तासीर गर्म होती है। हालांकि, आप इसको गर्मी के मौसम में भी सेवन कर सकते हैं। इस मौसम में भी इसे खाना पूरी तरह सुरक्षित होने के साथ-साथ फायदेमंद होता है। हालांकि, आप इसको सीमित मात्रा में ही सेवन कर सकते हैं। गर्म तासीर वाले होने के कारण भी इसको आप डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। अगर उचित मात्रा में आप सेवन करेंगे तो इससे बॉडी को फायदा पहुंचता है।

पोषक तत्वों का खजाना है खजूर

खजूर में फाइबर, आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, विटामिन ब्6 और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने के साथ-साथ गर्मी में कमजोरी, थकावट को कम करने के साथ-साथ पानी की कमी को भी पूरा करते हैं।

स्किन और बालों के लिए है फायदेमंद

गर्मी के मौसम में आप खजूर का सेवन कर सकते हैं। खजूर स्किन और बालों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को भी चमकदार बनाते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं। खजूर शरीर को अंदर से डिटॉक्स करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और दमकती नजर आती है।

बॉडी में बनी रहती है हाइड्रेशन

गर्मी के मौसम में शरीर से काफी संख्या में पसीना निकलता है। ऐसे में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। खजूर में इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स अधिक पाए जाते हैं, जो बॉडी में पानी की कमी को संतुलित करते हैं। आप खजूर को रात के समय पानी में भिगोकर सुबह खा सकते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है और बॉडी हाइड्रेटेड रहती है।

वर्कआउट के बाद करें सेवन

गर्मी के मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है। सूरज की तेज किरणों और पसीने से बॉडी की एनर्जी तुरंत खत्म हो जाती है। ऐसे में खजूर से आपको नेचुरल ऊर्जा मिल सकती है। दरअसल, इसमें नेचुरल शुगर होता है, जिसके सेवन से बॉडी को तुरंत ऊर्जा मिलती है। अगर आप हर रोज वर्कआउट करते हैं, तो आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए। आप इसे स्नैक्स में भी शामिल कर सकते हैं।

पाचन होता है बेहतर

गर्मी के मौसम में इसे खाने से पाचन बेहतर होता है। इसमें मौजूद तत्व पेट की आसानी से सफाई करते हैं। हर रोज दो से तीन खजूर खाने से पेट साफ रहता है। यह मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर रखता है, जिससे पाचन मजबूत होता है।

तनाव को दूर करता है खजूर

खजूर खाने से तनाव दूर होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन ष्ट और मिनरल्स इम्यून को भी बूस्ट करते हैं। खजूर में प्राकृतिक शुगर और मैग्नीशियम होता है, जो दिमाग को शांत करता है और तनाव को कम करने में मदद करता है। हर रोज खजूर खाने से मानसिक थकान भी दूर होती है।

रातभर भिगोकर खाएं

खजूर को खाने के लिए आप इसे रातभर भिगोकर रख सकते हैं और सुबह खाली पेट खा सकते हैं। पानी में इसको भिगोकर खाने से इसकी गर्म तासीर कम होती है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। इसको खाने से बॉडी में ऊर्जा मिलती है।

खजूर मिल्कशेक बनाएं

गर्मी के मौसम में आप खजूर मिल्कशेक भी बनाकर पी सकते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ ताजगी भरा होता है। इसको बनाने के लिए दूध, खजूर और थोड़ा सा इलायची पाउडर मिलाकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। यह एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। जिम करने के बाद आप इसका सेवन कर सकते हैं।

खजूर खाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

खजूर खाने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। गर्मियों के मौसम में दिन में सिर्फ 2 से 3 खजूर ही पर्याप्त हैं। इससे ज्यादा सेवन करने पर शरीर में गर्मी बढ़ सकती है।

खजूर को खाने के तुरंत बाद ठंडा पानी पीने से बचें। ठंडा पानी पीने से पाचन संबंधी कई तरह की परेशानियां भी हो सकती हैं। इसको रात के समय नहीं खाना चाहिए। इसे रात के समय सेवन से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है।

दही में मिलाकर लगाएं ये 3 चीजें, गर्मियों में धूप की तरह खिल उठेगा चेहरा

गर्मी के मौसम में दही खाने से कई तरह के फायदे होते हैं। यह गर्मी में शरीर को ठंडक देता है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे पाचन भी बेहतर होता है। वैसे भी गर्मी के मौसम में पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में दही के सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है।

वहीं, इस मौसम में चिलचिलाती धूप और पसीने के कारण चेहरे की रौनक चली जाती है। इसके कारण त्वचा पर टैनिंग और दाग-धब्बे भी होने लगते हैं। ऐसे में चेहरे को चमकदार और मुलायम बनाने के लिए दही काफी मददगार हो सकता है। दरअसल, दही एक नेचुरल कूलिंग एजेंट के रूप में काम करता है। भीषण गर्मी में यह त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ निखार भी लाता है। अगर त्वचा को नेचुरल तौर पर मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो आप भी दही में कुछ चीजों को मिलाकर उपयोग कर सकते हैं। इससे त्वचा गर्मी में भी चमकदार बनी रहेगी।

आप दही और बेसन को मिलाकर एक फेस पैक तैयार कर सकते हैं। इसको त्वचा पर लगाने से डेड स्किन हट जाती है और त्वचा की गहराई से सफाई हो जाती है। बेसन त्वचा के रंग को निखारता है और टैनिंग को भी कम करता है। आप इसको सप्ताह में दो बार भी आसानी से लगा सकते हैं।

दही और हल्दी का फेस पैक चेहरे को चमकदार और मुलायम बनाता है। इसमें कई तरह के एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा पर होने वाले संक्रमण को भी दूर करते हैं। अगर आपके चेहरे पर एक्ने और पिंपल्स भी हो गए हैं, तो आप इसका उपयोग कर सकते हैं। दही और हल्दी का पैक नेचुरल तौर पर त्वचा को चमकदार बनाता है।

गर्मी के मौसम में आप चेहरे पर दही और शहद का फेस पैक भी लगा सकते हैं। यह फेस पैक चेहरे को अंदर से मॉइस्चराइज करता है और त्वचा की नमी को बनाए रखता है। इसके उपयोग से त्वचा पर चमक आ जाती है। दही और शहद का फेस पैक ड्राई स्किन के लिए काफी कारगर होता है।

आप इन तीनों को मिलाकर एक फेस पैक तैयार कर सकते हैं या फिर अलग-अलग भी इसे तैयार कर सकते हैं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद करीब 20 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। कुछ समय के बाद ठंडे पानी से चेहरा को धो लें। आप इसे सप्ताह में दो से तीन बार उपयोग कर सकते हैं।

टीवीएस मोटर कंपनी ने की अपने प्रीमियम और खास एक्सपीरिएंस चैनल- टीवीएस पैडॉक की घोषणा

बैंगलुरु, एजेंसी। दोपहिया एवं तिपहिया सेगमेन्ट में ग्लोबल लीडर टीवीएस वेनु के एक भाग टीवीएस मोटर कंपनी ने आज प्रीमियम पोर्टफोलियो के लिए समर्पित अपने एक्सक्लुज़िव रीटेल चैनल टीवीएस पैडॉक की घोषणा के साथ उपभोक्ता उन्मुख रीटेल एवं ओनरशिप के अनुभव में नया बेंचमार्क स्थापित किया है। यह पहल कंपनी की प्रीमियम मोबिलिटी की यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो ब्राण्ड के साथ जुड़ाव, पर्सनलाइज्ड सर्विस और बेहतरीन आफ्टरसेल्स सपोर्ट को एक ही रीटेल इकोसिस्टम के तहत लाती है। टीवीएस मोटर पिछले चार दशकों से रेसिंग में सक्रिय है और लम्बे समय से इसका मानना है कि मोटरस्पोर्ट ही इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता एवं परफोर्मेन्स इनोवेशन की असली परीक्षा है। यही दृष्टिकोण इसके प्रीमियम पोर्टफोलियो को आकार दे रहा है, जहां रेसिंग, टीवीएस मोटर कंपनी की प्रीमियम प्रोडक्ट रेंज में प्रोडक्ट डेवलपमेन्ट और उपभोक्ताओं के जुड़ाव का मुख्य आधार बनी हुई है। लक्ज़री जीवनशैली और संपन्न उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या के चलते भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से विकसित होते प्रीमियम मोबिलिटी मार्केट्स में से एक है। आज के महत्वाकांक्षी उपभोक्ता एक प्रोडक्ट्स से बढ़कर उम्मीद रखते हैं, वे स्व-अभिव्यक्ति, पर्सनलाइज़ेशन, कम्युनिटी एवं ब्राण्ड के साथ गहरे जुड़ाव को महत्व देते हैं।

आरसीसीपीएल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

मैहर, एजेंसी। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड ने विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय खान ब्यूरो (खान मंत्रालय), जबलपुर द्वारा निर्धारित विषय एक पेड़ माँ के नाम के अनुरूप आयोजित किया गया। कंपनी के सभी वर्गों के कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने सदेरा, सलैया, जमुवानी खुर्द तथा भाटिया खदान क्षेत्रों में वृक्षारोपण गतिविधियों में भाग लिया। इस दौरान कम से कम 3,000 पौधों का रोपण किया गया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, हरित आवरण में वृद्धि करना तथा सतत विकास के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। सभी प्रतिभागियों ने एक पेड़ माँ के नाम की भावना को बनाए रखने की शपथ ली और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु स्वयं को समर्पित करने का संकल्प व्यक्त किया।

जेप्टो लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया यूडीआरएचपी

मुंबई। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्मों में से एक जेप्टो लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना यूडीआरएचपी-। (अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस-।) दाखिल किया है। रेडसीर रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 से वित्त वर्ष 2026 के बीच ऑर्डर वॉल्यूम के आधार पर स्केल्ड क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्मों में जेप्टो सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्लेटफॉर्म रहा है। प्रस्तावित आईपीओ में ?8,010 करोड़ तक का फ्रेश इश्यू तथा ?5 अंकित मूल्य वाले 11,34,66,566 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। वित्त वर्ष 2024 से 2026 के दौरान जेप्टो का ऑर्डर वॉल्यूम लगभग 119.50% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ा, जो उद्योग की वृद्धि दर से काफी अधिक है। कंपनी का मुख्य फोकस क्विक कॉमर्स व्यवसाय है और इसका लक्ष्य ग्राहकों को अत्यंत तेज़ डिलीवरी उपलब्ध कराना है। 31 मार्च 2026 तक जेप्टो के प्लेटफॉर्म पर औसतन 46,623 एसकेयू (फलों एवं सब्जियों से लेकर घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स और कॉस्मेटिक्स तक) सूचीबद्ध थे।

क्रूड के भाव में नरमी नहीं, नोएडा में पेट्रोल 102 और डीजल 95 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति अभी भी कोसों दूर है। इसी वजह से इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम तेज हैं। मंगलवार को बाजार में मानक ब्रेंट क्रूड के दाम मामूली चढ़े हुए दिखे। हालांकि, अपने देश में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार, 9 जून 2026 को भी दाम में कोई बढ़ोतरी नहीं की।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा दिए हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने की वजह से मंगलवार को भी शुरुआत कारोबार में क्रूड ऑयल नरम नहीं पड़े। आज इसके दाम में 0.12 फीसदी या 0.1 डॉलर प्रति बैरल की मामूली तेजी दिखी। इस समय यह 94.36 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में भी 0.13 फीसदी की तेजी दिख रही है। अभी यह 91.42 प्रति बैरल पर ट्रेड होता दिख रहा है। हालांकि, इंडियन बॉस्केट क्रूड का दाम घट कर 95.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। पेट्रोल-डीजल के भाव जब भी बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं।

भारतीय कंपनियों को अभी भी नुकसान

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कल यानी सोमवार, 8 जून 2026 को ही बताया कि भारत में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। यहां 76 से 80 दिन का फ्यूल स्टॉक है। उन्होंने आशा जताई है कि कच्चे तेल की कीमत ज्यादा दिनों तक ऊंची नहीं रह सकती। यह जल्दी ही नीचे आएगी।

वी ने भोपाल में शुरू कीं 5जी सेवाएं

भोपाल : इंदौर और ग्वालियर में 5जी लॉन्च के बाद, जाना-माना दूरसंचार सेवा प्रदाता वी अब भोपाल में 5जी सेवाओं की शुरूआत करने जा रहा है। अपनी सेवाओं के विस्तार के लिए वी मुख्य मार्केट्स को प्राथमिकता दे रहा है, जहां डेटा की खपत अधिक है। राज्य की राजधानी होने के नाते भोपाल में डिजिटल-फर्स्ट उपभोक्ताओं, छात्रों एवं कारोबारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग को देखते हुए भोपाल राज्य का महत्वपूर्ण मार्केट है। इस लॉन्च के साथ भोपाल में वी के उपभोक्ता न सिर्फ फास्ट डाउनलोड का अनुभव पाना जारी रख सकते हैं बल्कि वी 5जी के साथ हाई-डेफिनिशन स्ट्रीमिंग, गेमिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और रियल टाईम क्लाउड एक्सेस का लाभ भी उठा सकते हैं। 5जी के शानदार अनुभव को सपोर्ट करने के लिए वी ने आधुनिक एवं ऊर्जा-प्रभावी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैनात किया है तथा नेटवर्क के परफोर्मेन्स को स्वत: अनुकूलित करने के लिए एआई-पावर्ड सेल्फ-ऑप्टिमाइजिंग नेटवर्क को लागू किया है, जिससे यूज़र निर्बाध कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकते हैं फिर चाहे वर्क फ्रॉम होम हो, या ऑफिस या दुकान से कारोबार का संचालन। इस विकास पर बात करते हुए कविता नाडकर्णी, बिज़नेस हैड- मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़, वोडाफोन आइडिया ने कहा, ''हम मध्य प्रदेश के मुख्य मार्केट्स में अपना फुटप्रिन्ट बढ़ाते हुए राज्य में वी के नेटवर्क के विस्तार को गति प्रदान कर रहे हैं। भोपाल में लॉन्च और इससे पहले इंदौर एवं ग्वालियर में लॉन्च इस यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। अपनी विस्तार यत्रा में हम ज्यादा मांग वाले स्थानों पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें डेटा की ज्यादा खपत और ज्यादा फुटफॉल वाले सेंटर जैसे कमर्शियल हब और पर्यटन स्थल शामिल हैं, ताकि हमारे यूज़र्स को नेटवर्क का सहज अनुभव लगातार मिलता रहे।

टाटा एआईजी का नया मेडिकेयर रिज़र्व, 5 करोड़ तक के कवरेज के साथ एक लचीला सुपर टॉप-अप प्लान

मुंबई, एजेंसी। भारत की एक प्रमुख जनरल इंश्योरेंस कंपनी, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने मेडिकेयर रिज़र्व लॉन्च किया है। यह एक नया और आधुनिक स्वास्थ्य बीमा समाधान है। जैसे-जैसे ग्राहकों की ज़रूरतें बदलती हैं, वैसे-वैसे वे अपनी हेल्थ सुरक्षा को और मजबूत कर सकें, इस तरह इसे डिज़ाइन किया गया है। यह प्लान एक सुपर टॉप-अप स्ट्रक्चर पर बना है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका वेवर ऑफ एग्रीगेट डिडक्टिबल का अनोखा फायदा है। इसके तहत, जो पॉलिसीधारक इसके योग्य होंगे, वे लगातार 5 साल तक पॉलिसी चलाने के बाद किसी नए मेडिकल टेस्ट या दोबारा कागजी जांच के बिना, सीधे एक पूरी सुरक्षा देने वाली हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बदल सकते हैं। इसमें एग्रीगेट डिडक्टिबल चुनने के लिए 3 लाख से लेकर 50 लाख तक और कुल बीमा राशि चुनने के लिए 5 लाख से लेकर 5 करोड़ तक के विकल्प मिलते हैं। यह सुविधा ग्राहकों को अपनी ज़रूरत के अनुसार कवरेज तय करने की छूट देती है, ताकि वे अपनी पहले से मौजूद हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी और अपने बजट के हिसाब से इसे चुन सकें।

टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी के हेड - एजेंसी एंड हेल्थ, श्री पंकज श्रीवास्तव ने कहा, भारत का स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र बहुत तेज़ी से बदल रहा है। इलाज के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं और जीवन के अलग-अलग पड़ावों पर एक व्यापक और लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा की मांग बढ़ रही है। मेडिकेयर रिज़र्व को इन्हीं ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक सुपर टॉप-अप प्लान की कम कीमत के साथ-साथ वेवर ऑफ एग्रीगेट डिडक्टिबल, ट्रांसीकेयर वॉलेट और पॉकेट प्रोटेक्ट जैसी अनूठी खूबियों को एक साथ लाता है। ये फायदे बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी के समय और कवरेज के बीच आने वाले गैप में आर्थिक मदद देते हैं। यह हेल्थ इंश्योरेंस को अधिक लचीला, अनुरूप और भविष्य के लिए तैयार बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मेडिकेयर रिज़र्व में ट्रांसीकेयर वॉलेट की भी सुविधा है। एक वैकल्पिक लाभ है और नौकरी बदलने के दौरान आपको आर्थिक सुरक्षा देता है। इसके अलावा, इस प्लान में पॉकेट प्रोटेक्ट शामिल है, जो लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान जेब से होने वाले खर्चों को संभालने में मदद करता है, और अस्पताल में भर्ती होने के दौरान होने वाले चुनिंदा गैर-मेडिकल खर्चों के लिए कंज्यूमबल्स बेनिफिट भी मिलता है। टाटा एआईजी के इंटर्नल रिसर्च के अनुसार, पारंपरिक ग्रुप मेडिकल कवरेज प्लान आज के समय की बदलती स्वास्थ्य प्राथमिकताओं और कर्मचारियों की ज़रूरतों को पूरा करने में कम पड़ रहे हैं।

आईआईटी मंडी ने भारत का पहला बी.टेक. कार्यक्रम क्वांटम साइंस एंड इंजीनियरिंग में शुरू किया

मंडी, एजेंसी। भारत के अग्रणी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में से एक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी ने उभरते हुए प्रौद्योगिकी-आधारित उद्योगों और राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए तीन नवोन्मेषी स्नातक (अंडरग्रेजुएट) कार्यक्रमों की शुरुआत की है। आईआईटी मंडी ने क्वांटम साइंस एंड इंजीनियरिंग में भारत का पहला बी.टेक. कार्यक्रम शुरू करके एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम संचार, क्वांटम सेंसिंग, क्वांटम मैटेरियल्स और हार्डवेयर इंजीनियरिंग के साथ-साथ कंप्यूटर साइंस, गणित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वित अध्ययन के माध्यम से भविष्य के क्वांटम इंजीनियर तैयार करना है। इस कार्यक्रम के स्नातक सुरक्षित संचार, क्वांटम हार्डवेयर और उन्नत कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में योगदान देने के लिए तैयार होंगे, जो उभरती हुई क्वांटम प्रौद्योगिकी दुनिया के प्रमुख क्षेत्र हैं। कृषि प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व को देखते हुए, आईआईटी मंडी ने डेटा एनालिटिक्स सहित कृषि इंजीनियरिंग में बी.टेक. कार्यक्रम भी शुरू किया है। यह कार्यक्रम कृषि इंजीनियरिंग की मूलभूत अवधारणाओं

को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स , रिमोट सेंसिंग, ऑटोमेशन और डेटा एनालिटिक्स के साथ जोड़ता है। छात्रों को प्रयोगशालाओं, फील्ड प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, अनुसंधान परियोजनाओं तथा एग्री-टेक कंपनियों एवं स्टार्टअप्स के साथ सहयोग के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे तकनीकी रूप से दक्ष पेशेवर तैयार करना है जो प्रिसिजन एग्रीकल्चर, सतत कृषि तथा जलवायु-सहिष्णु खाद्य प्रणालियों के विकास में योगदान दे सकें।

देश के सबसे बड़े कैप्टन नेटवर्क को इस मुहिम से जोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े और सबसे किफायती वन-स्टॉप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, रॉपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो) ने आज सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ एक रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया है। इस ऐतिहासिक तालमेल का मकसद भारत सरकार की फ्लैगशिप 'राहवीर योजना' को लेकर देशव्यापी अलख जगाना और जन-भागीदारी को बढ़ाना है। यह योजना सड़क हादसों के शिकार लोगों को 'गोल्डन ऑवर' (दुर्घटना के बाद का पहला कीमती घंटा) के भीतर तुरंत जीवनरक्षक मदद पहुँचाने के लिए प्रेरित करती है।

इस साझेदारी की आधिकारिक घोषणा माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों (जिसमें सचिव और अतिरिक्त सचिव, शामिल हैं) और रैपिडो के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में की गई।

इस मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने कहा: 'सड़क सुरक्षा सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि हम सबकी साझी जिम्मेदारी है और सड़कों पर जान बचाने के लिए नागरिकों का आगे आना सबसे अहम है। 'राहवीर योजना' का मकसद ही लोगों के मन से झिझक को मिटाना है ताकि वे 'गोल्डन ऑवर' में बिना डरे दुर्घटना पीड़ितों की मदद कर सकें। मैं रैपिडो की सराहना करता हूँ कि उन्होंने इस बड़े राष्ट्रीय मिशन को गति देने के लिए अपने विशाल कैप्टन नेटवर्क और तकनीक को मैदान में उतारा है। ' साझेदारी पर बोलते हुए, रैपिडो के को-फ़ाउंडर, अरविंद संका / ऋषिकेश एसआर ने कहा: 'देश के छोटे-बड़े शहरों में हर दिन लाखों भारतीय हमारे रैपिडो कैप्टन्स से जुड़ते हैं।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने 'नेतृत्व विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' में वर्ष 2027 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है

बेंगलूरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने 'नेतृत्व विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' में प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। प्रवेश 2027 के लिए ज़रूरी तारीखें इस प्रकार हैं, आवेदन की आख़िरी तारीख़ 11 अक्तूबर 2026, लिखित असाइनमेंट एवं साक्षात्कार अक्तूबर से नवंबर 2026 कक्षाओं की शुरूआत जनवरी 2027 का पहला सप्ताह है। इन तारीख़ों में किसी भी तरह का बदलाव हो सकता है। प्रोग्राम की मुख्य विशेषताएँ, यह 11 महीनों तक चलने वाला पार्ट-टाइम प्रोग्राम है। यह प्रोग्राम सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले उन संवेदनशील और समर्पित व्यक्तियों के लिए है, जो विकास संबंधी अपने नज़रिए और बेहतर बनाना चाहते हैं, समाज की जटिलताओं महसूस करना चाहते हैं तथा संगठनात्मक संस्कृति को गहराई से समझना चाहते हैं। यह प्रोग्राम, विकास के क्षेत्र में नेतृत्व करने वालों को समावेशी टीमों और संस्थाओं का प्रभावी नेतृत्व करने के लिए प्रतिभागियों में कुछ ख़ास दृष्टिकोण और गहरी समझ विकसित करता है। इस प्रोग्राम की यह भी ख़ासियत है कि इसमें प्रवेश लेने के बाद भी प्रतिभागी अपना काम और रोज़गार जारी रख सकते हैं। यह प्रोग्राम तीन सत्रों में विभाजित है और यह ऑनलाइन तथा कैंपस में ऑफ़लाइन मोड में मिला-जुला कर होगा। यह कार्यक्रम विकास क्षेत्र में काम कर रहे उन मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए ख़ासतौर पर बनाया गया है, जिनके पास आठ या उससे अधिक वर्षों का अनुभव है और जो अपनी संस्थाओं में पहले से नेतृत्व वाली भूमिकाओं में हैं या फिर जल्द ही नेतृत्व वाली ज़िम्मेदारियाँ संभालने की संभावना रखते हैं। प्रोग्राम की जानकारी देते हुए स्कूल ऑफ डेवलपमेंट की निर्देशक, अरिमा मिश्रा ने कहा है, 'यह कार्यक्रम सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों को अपने संगठनात्मक अनुभवों को विकास की व्यापक समझ और नज़रिए के साथ जोड़कर देखने का अवसर देता है। यह उनके सोचने के दायरे को बड़ा बना है।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस: देशभर के 30 टॉपर्स को मिलेगा 1 लाख का पुरस्कार

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग भारत ने 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' कार्यक्रम के तहत देश भर से 30 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया; इसके अंतर्गत, प्रत्येक टॉपर को चार पाठ्यक्रमों—आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग और प्रोग्रामिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और बिग डेटा—में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार पाने वालों में चार नेशनल टॉपर, 26 राज्य-स्तरीय टॉपर और एक सोशल मीडिया चैंपियन शामिल थे। इन सभी को सैमसंग इनोवेशन कैंपस के ज़रिए ट्रेनिंग पाए 20,000 छात्रों में से चुना गया था; यह कंपनी का मुख्य सीएसआर प्रोग्राम है। 2025 बैच से चुने गए छात्र 10 अलग-अलग राज्यों से हैं, जो यह दिखाता है कि भारत के पारंपरिक इनोवेशन केंद्रों से बाहर भी टेक्नोलॉजी से जुड़ा टैलेंट तेज़ी से फैल रहा है।

टॉपर्स को गुरुग्राम में सैमसंग भारत के हेडक्वार्टर में, सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, जेबी पार्क की मौजूदगी में सम्मानित किया गया। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया ने इस मौके पर कहा, 'जब मैं आप सभी को देखता हूँ, तो मुझे सिर्फ़ स्टूडेंट्स ही नहीं दिखते। मुझे

भविष्य के इंजीनियर्स, क्रिएटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, रिसर्चर्स और शायद भविष्य के सीईओ दिखते हैं। एआई, कोडिंग और डेटा अब सिर्फ़ कल के स्किल्स नहीं हैं; ये आज के स्किल्स हैं। इनोवेशन के लिए जिज्ञासा, मज़बूती और असफलता से सीखने का साहस चाहिए। सीखते रहिए, बदलते हालात के हिसाब से ढलते रहिए और आगे बढ़ते रहिए। ' भारत सरकार के 'स्किल इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' मिशनों के अनुरूप, 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' सैमसंग की एक प्रमुख सीएसआर पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में भविष्य के लिए तैयार तकनीकी कौशल विकसित करना है। भारत की विकास गाथा में एक भागीदार के रूप में, सैमसंग लगातार प्रतिभाओं में निवेश कर रहा है, स्थानीय इकोसिस्टम को मज़बूत बना रहा है, और शिक्षा तथा कौशल विकास संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि एक डिजिटल रूप से सशक्त और नवाचार-आधारित 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण किया जा सके। टॉपर्स के पीछे की कहानियों से यह पता चलता है कि तकनीकी शिक्षा किस तरह नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।कर्नाटक की ऐश्वर्या संजय, जो कृषि विस्तार शिक्षा में मास्टर डिग्री हासिल कर रही हैं, ने इस कार्यक्रम से मिली सीख का इस्तेमाल करके एक एआई-आधारित मॉडल तैयार किया। इस मॉडल का उद्देश्य समुदाय-समर्थित कृषि के माध्यम से किसानों के लिए बाज़ार तक पहुँच को बेहतर बनाना है।

एसेट एलोकेशन पहले से कहीं ज्यादा जरूरी क्यों है

एसबीआई म्यूचुअल फंड की निवेशक शिक्षा एवं जागरूकता पहल

मुंबई, एजेंसी। ज्यादातर निवेशक उसी जगह पैसा लगाना पसंद करते हैं जहां हाल में सबसे अच्छा रिटर्न मिला हो, जैसे बाजार में तेजी के दौरान शेयरों में निवेश करना या अनिश्चितता के समय सोना खरीदना। यह तरीका भले ही सही लगे, लेकिन इतिहास बताता है कि अलग-अलग समय में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग अच्छा प्रदर्शन करते हैं। जो आज काम कर रहा है, जरूरी नहीं कि कल भी वही सबसे बेहतर हो। यहीं पर एसेट एलोकेशन यानी निवेश को अलग-अलग जगह बांटने की अहमियत सामने आती है।

पिछले तीन दशकों में निवेशकों ने कई बड़े बाजार उतार-चढ़ाव देखे हैं, जैसे डॉट-कॉम बूम, 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट, कोविड-19 महामारी, बढ़ती महंगाई और दुनियाभर की राजनीतिक अनिश्चितताएं।

इन सभी दौर में एक बात साफ तौर पर सामने आई है कि अलग-अलग हालात में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग बेहतर रहते हैं। आर्थिक तरक्की के दौर में इक्विटी अच्छा रिटर्न देने की क्षमता रखती है। बाजार में उथल-पुथल या तनाव के समय सोना अपेक्षाकृत

मजबूत रह सकता है। फिक्स्ड इनकम यानी डेट आधारित निवेश आमतौर पर कम उतार-चढ़ाव वाले होते हैं और अनिश्चितता के दौर में निवेशकों को एक हद तक स्थिरता दे सकते हैं।

इसलिए कोई एक परिसंपत्ति वर्ग ऐसा नहीं है जो हर साल सबसे अच्छा रिटर्न दे। यही वजह है कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटना जरूरी हो जाता है। सिर्फ एक ही जगह निवेश रखने से निवेशक कई मौकों से चूक सकते हैं और खराब प्रदर्शन वाले दौर का सामना करना पड़ सकता है।

बाजार चक्र विविधता को अहमियत देते हैं, एकाग्रता को नहीं: शेयर बाजार यानी इक्विटी को लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक अच्छा जरिया माना जाता है, लेकिन कम समय में इसमें काफी उतार-चढ़ाव हो सकता है। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट और 2020 में कोविड-19 की शुरुआत में शेयर बाजारों में जबरदस्त गिरावट आई थी, हालांकि बाद में उनमें सुधार भी हुआ। उस दौरान सोने ने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया और निवेशकों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम किया, जबकि डेट आधारित निवेशों ने स्थिरता बनाए रखी। साथ ही, सालों से औसतन 6 से 7 फीसद के आसपास बनी महंगाई ने पारंपरिक बचत साधनों से मिलने वाले वास्तविक फायदे को भी कम किया है। इससे साफ होता है कि हर हालात में कोई एक निवेश विकल्प सबसे बेहतर नहीं होता। इसलिए निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से जोखिम कम होता है और बेहतर संतुलन बना रहता है। (स्रोत: एनएसई इंडाइसेज, निफ्टी 500 टोटल रिटर्न डेटा; आरबीआई की 'हैंडबुक ऑफ स्टैटिस्टिक्स ऑन इंडियन इकोनॉमी' तथा एमओएसपीआई सीपीआई)।

कोविड-19 ने विविधीकरण की जरूरत और साबित की

2020 की घटनाएं एसेट एलोकेशन की अहमियत की एक जीती-जागती मिसाल हैं। महामारी की शुरुआत में दुनियाभर के शेयर बाजारों में इतिहास की सबसे तेज गिरावटों में से एक देखी गई। जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो पूरी तरह इक्विटी पर टिका था, उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोना उस दौर में अपेक्षाकृत मजबूत बना रहा और अनिश्चितता का फायदा उठाया, जबकि चांदी में भी अच्छी तेजी देखी गई। दूसरी तरफ, फिक्स्ड इनकम निवेशों ने उस दौर में अपेक्षाकृत स्थिरता दी।

सिराज: टी-20 सीरीज से बाहर

- आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था चयन
- BCCI ने प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया कि सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दोनों टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के साथ चर्चा के बाद लिया गया है। मोहम्मद सिराज को लंबे अंतरराष्ट्रीय सीजन को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त रिकवरी का समय देने के लिए आराम दिया गया है। बीसीसीआई ने इसे एहतियाती कदम बताया है ताकि वह आने वाले मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रह सकें। मोहम्मद सिराज पिछले कुछ समय से भारतीय टीम के अहम तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपनी रफ्तार, स्विंग और आक्रामक गेंदबाजी से टीम के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में योगदान दिया है। हालांकि, लगातार क्रिकेट खेलने के कारण खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करना टीम मैनेजमेंट की प्राथमिकता बनी हुई है। मोहम्मद सिराज की जगह टीम में शामिल किए गए प्रसिद्ध कृष्णा लंबे समय से भारतीय टीम के साथ जुड़े रहे हैं। उनकी तेज गेंदबाजी और उछाल भरी पिचों पर प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका दिया है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अब प्रसिद्ध कृष्णा टीम का हिस्सा होंगे। भारतीय टीम का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को मौका देने के साथ-साथ आगामी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए मजबूत संयोजन तैयार करना होगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ T20- सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप कप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

खतरे में स्टोक्स की कप्तानी

- न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद नाइट क्लब में बवाल

एटकिंसन भी थे साथ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर बेन स्टोक्स का भविष्य संकट में है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में हुई घटना की जांच कर रहा है। स्टोक्स के साथ गस एटकिंसन भी थे। वह भी जांच की घेरे में हैं। ईसीबी ने इस घटना को 'टीम प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया है, जो लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रन की जीत के बाद हुई। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि मामला इतना गंभीर है कि स्टोक्स की कप्तान जा सकती है। ईसीबी ने सोमवार शाम को कहा कि इस घटना को क्रिकेट नियामक को भेज दिया गया है और जांच के कारण स्टोक्स और एटकिंसन 17 जून को द ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। इस घटना में किसी भी खिलाड़ी को चोट नहीं आई। माना जा रहा है कि इस घटना में सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ी शामिल थे, जो अपने सीजन के आखिर के जश्न में मौजूद थे।

ईसीबी का बयान

घटना एटकिंसन और एक अनजान एकेडमी के खिलाड़ी के बीच हुए झगड़े की वजह से हुई। ईसीबी ने बयान में कहा, 'ईसीबी अभी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के खत्म होने के बाद टीम प्रोटोकॉल के उल्लंघन की जांच कर रहा है। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में मौजूद थे,जब यह घटना हुई। हम अभी और जानकारी ढूंढ रहे हैं और दूसरे टेस्ट के लिए टीम के बारे में सही समय पर घोषणा की जाएगी। क्रिकेट नियामक को बता दिया गया है और जब भी मुमकिन होगा हम आगे जानकारी देंगे।'

पंड्या की वापसी का रास्ता साफ

नई दिल्ली। टीम इंडिया और उसके फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने आगामी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में कुछ मुकाबलों से बाहर रहने के बाद हार्दिक पंड्या ने फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अब वह 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौती के लिए तैयार हैं। 32 साल के हार्दिक पंड्या की आईपीएल में पीठ में ऐंठन (back spasms) के कारण मुंबई इंडियंस के लिए कई मैच नहीं खेल पाए थे। वह दो जून 2026 से बेंगलुरु में ष्ट्रश्वश्च में हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्र के हवाले से लिखा, CoE में आने से पहले हार्दिक विदेश में छुट्टियां मना रहे थे। अगले पांच दिनों में उन्होंने कई मैच सिमुलेशन किए और 10 ओवर (पूरा कोटा) गेंदबाजी भी की। सूत्र ने बताया, हार्दिक पंड्या को कोई परेशानी नहीं हुई और जानकारी के मुताबिक सीओई में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच ने अलग-अलग पैमानों पर उनके फिटनेस डेटा को मंजूरी दे दी है।

BCCI की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान सीरीज में खेलना तय

सोमवार आठ जून 2026 को भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच सितांशु कोटक ने कहा था कि भले ही उनके पास हार्दिक पंड्या की फिटनेस के बारे में कोई ताजा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें लगता है कि यह ऑलराउंडर ठीक है।

'मुंज्या' के दो साल पूरे होने पर अभय वर्मा बोले

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'मुंज्या' ने अपनी अनोखी कहानी, लोककथा से जुड़े कथानक और तकनीकी प्रयोगों के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचा था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया था। इस फिल्म को रिलीज हुए रविवार को 2 साल पूरे हो गए। इस मौके पर फिल्म में बिट्टू का किरदार निभाने वाले अभिनेता अभय वर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट साझा किया। अभय वर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी कुछ अनदेखी तस्वीरें और शूटिंग के दौरान के खास पलों को साझा किया। इन तस्वीरों में फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों की मस्ती, सेट पर बिताए गए यादगार पल और पर्दे के पीछे की झलकियां देखने को मिल रही हैं। तस्वीरों में अभय अपने को-स्टार्स और टीम के साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इन झलकियों ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को फिर से ताजा कर दिया है। इन तस्वीरों के साथ अभय ने लिखा, ' 'मुंज्या' को दो साल पूरे हो गए हैं, और यह वही दिन है जिसने मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। आज भी जब लोग मुझे मेरे किरदार के नाम 'बिट्टू' से बुलाते हैं, तो सच में मेरा दिन बन जाता है। दर्शकों के प्यार और समर्थन ने वह जिंदगी दी है, जिसकी मैंने कभी सिर्फ कल्पना की थी। मैं जल्द ही फैंस के लिए नया प्रोजेक्ट लेकर आ रहा हूं।'

अभय की इस पोस्ट पर एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने कमेंट किया और लिखा- 'यह फिल्म हमेशा मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में रहेगी।

जिस शो से हुई बाहर, उसी की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का जन्म 6 जून 1988 को उत्तराखंड के ऋषिकेश में हुआ था। उनका बचपन आर्थिक तंगी में बीता। उनका परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

नेमार इंजरी से रिकवर कर रहे हैं: सीबीएफ

न्यू जर्सी। ब्राजील के स्टार फॉरवर्ड नेमार की इंजरी फीफा विश्व कप 2026 से पहले टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता है। हालांकि, ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेमार इंजरी से रिकवरी की पूरी कोशिश कर रहे हैं और इसका परिणाम भी दिख रहा है। सीबीएफ ने नेमार के बारे में अपडेट देते हुए बताया कि स्टार फॉरवर्ड के दाहिने पैर में ग्रेड टू पिंडली की चोट से उनकी रिकवरी का पता लगाने के लिए एमआरआई स्कैन किया गया। 34 साल के नेमार की रिकवरी उम्मीद के मुताबिक है। वह एक खास योजना के तहत इलाज लेते रहेंगे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीबीएफ ने यह नहीं बताया कि वह खेलने के लिए कब तक उपलब्ध होंगे। 'स्थानीय मीडिया के मुताबिक वह कम से कम दूसरे ग्रुप मैच तक उपलब्ध नहीं रहेंगे। नेमार, ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल किए हैं। इंजरी की वजह से अक्टूबर 2023 के बाद से वह राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। हाल में उन्हें अपने क्लब सैंटोस के लिए खेलते हुए मई इंजरी हुई थी। स्टार खिलाड़ी की पिंडली में चोट लगी थी। ब्राजील अपने वर्ल्ड कप कैंपेन की शुरुआत शनिवार को मोरक्को के खिलाफ करेगा। इसके बाद उसका सामना हैती और स्कॉटलैंड से होगा। नेमार शुरुआती दो मैचों से बाहर रह सकते हैं। ब्राजील अगले साल रिकॉर्ड 23वीं बार फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जिसने विश्व कप के हर एडिशन में हिस्सा लिया है।पूरे करियर में इंजरी की वजह से परेशान रहे 34 साल के नेमार ने संकेत दिया है कि अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में आयोजित होने वाला फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा।

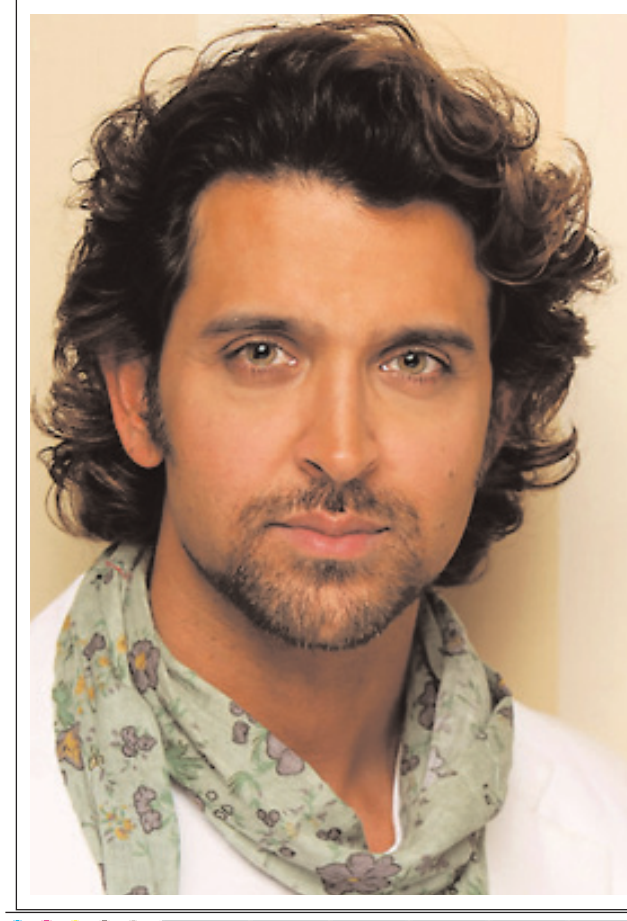

ऋतिक रोशन अब किसना चाहते हैं ग्रे शेड का किरदार

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार इस बार भी हीरो संजय दत्त ही होंगे

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं।

दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

समाज की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने की अभिनव पहल, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रतिभा सहित विशिष्ट सम्मान प्रदान

बाल कायस्थ प्रतिभाओं ने संभाली आयोजन की कमान, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भोपाल, नप्र। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, मध्य भारत प्रदेश एवं जिला भोपाल इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'कायस्थ प्रतिभा सम्मान समारोह एवं चित्रांश पारिवारिक मासिक बैठक' समाज की प्रतिभाओं, संस्कारों और संगठनात्मक शक्ति का अद्भुत संगम बनकर सामने आया। समारोह की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा, संचालन एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी समाज के युवा बच्चों ने संभाली। अधिकांश बच्चे विद्यालयी स्तर के विद्यार्थी थे, जिन्होंने अपने अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संगठन कौशल से सभी को प्रभावित किया।

यह पहल वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्री माननीय श्री विश्वास कैलाश सारंग की उस दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसमें बच्चों को केवल दर्शक नहीं बल्कि समाज के भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करने पर बल दिया गया है। इसी भावना को मूर्त रूप देते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं द्वारा संचालित कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री विश्वास कैलाश सारंग तथा विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव थे। भगवान चित्रगुप्त के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अपने संबोधन में श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि 'जो समाज अपनी प्रतिभाओं का सम्मान करता है, वही समाज भविष्य में नेतृत्व करता है।' उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया तथा समाज को संगठित एवं प्रगतिशील बनाने का आह्वान किया।राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय श्रीवास्तव ने वीडियो संदेश के माध्यम से प्रतिभाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा एवं उत्कृष्टता की भावना विकसित करते हैं और ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक सशक्त सामाजिक परिवार है। कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 33 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। समारोह में केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं विशिष्ट उपलब्धियों को भी सम्मानित किया गया।

कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी अदिति श्रीवास्तव को स्वर्गीय श्री सोमेंद्र कुमार कुलश्रेष्ठ की पुण्य स्मृति में ?3100 की सम्मान राशि श्री सौरभ भावना कुलश्रेष्ठ द्वारा प्रदान की गई।

कक्षा 12वीं में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी तान्या श्रीवास्तव तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिवांश सक्सेना को स्वर्गीय श्रीमती फूलमती देवी प्रधान एवं श्री श्यामाचरण प्रधान की स्मृति में दो बच्चों के समान अंक होने की वजह से एक समान राशि 1100-?1100 की सम्मान राशि श्री अभय वंदना प्रधान द्वारा प्रदान की गई। कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी अनिका सक्सेना को स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी श्रीवास्तव की पुण्य स्मृति में 3100 की सम्मान राशि सुनील अनुराधा श्रीवास्तव द्वारा प्रदान की गई। कक्षा 10वीं में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी नम्रता सक्सेना को स्वर्गीय श्रीमती कमलेश प्रधान एवं श्री प्रेमचरण प्रधान की स्मृति में ?2100 की सम्मान राशि अभय वंदना प्रधान द्वारा प्रदान की गई।

कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन में सौरभ कुलश्रेष्ठ (संयोजक), अमोल सक्सेना, व्योम खरे, अभय प्रधान, दिवाकर श्रीवास्तव, राजकुमार श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, चंद्रेश सक्सेना, मीना श्रीवास्तव, धर्मेश खरे, सहित समस्त युवा टीम एवं पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम में श्री अजय श्रीवास्तव नीलू, श्री सुनील श्रीवास्तव, श्री बृजेश श्रीवास्तव, आरती सारंग, अभय प्रधान, अवंतिका सीजेपी व्यौहार, दिनेश सक्सेना, चन्द्रेश सक्सेना, अनिल श्रीवास्तव, डीके श्रीवास्तव, के के भावना सक्सेना, डा धर्मेश कीर्ति खरे, महेन्द्र श्रीवास्तव, ओपी श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, डा संजय श्रीवास्तव, मीना अरूण श्रीवास्तव, अमोल सक्सेना, सौरभ कुलश्रेष्ठ, व्योम खरे, विनय सक्सेना, आलोक श्रीवास्तव, राजेश नारायण श्रीवास्तव, गौरव खरे, संजीव श्रीवास्तव, जीएम जौहरी, राजेश वर्मा, सुशील श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, अरविंद सक्सेना, सतीश खरे, डा बृजेश श्रीवास्तव, एम के भटनागर, शेखर वर्मा, सुधीर सक्सेना, विश्वनाथ भटनागर, आशीष श्रीवास्तव, दीप श्रीवास्तव, भारत-भूषण माथुर, तान्या श्रीवास्तव, अभिलाषा ब्यौहार, डा अनिल प्रकाश श्रीवास्तव, डा सुनील कुलश्रेष्ठ, आशी सक्सेना, सरिता सक्सेना, प्रांजल निगम, रूचि सक्सेना, अंशिका सक्सेना, सहित अनेक सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। आरंभ में मां सरस्वती जी का पूजन व गान हुआ।

निगम-मंडल अधिकारी-कर्मचारी संघ द्वारा श्री गजेन्द्र कोठारी का सम्मानपूर्वक विदाई समारोह आयोजित

भोपाल। निगम-मंडल अधिकारी-कर्मचारी संघ द्वारा श्री गजेन्द्र कोठारी के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन 9 मसाला रेस्टोरेंट में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुशील तिवारी (इंदु भैया) उपस्थित रहे। उनके आगमन पर संघ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

समारोह में वक्ताओं ने श्री गजेन्द्र कोठारी के सेवाकाल, कार्यनिष्ठा एवं संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विधायक श्री सुशील तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री कोठारी को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के आयोजन में श्री अनिल वाजपेयी, श्री अभिलाष जैन, अजय श्रीवास्तव (नीलू भैया), बलवंत सिंह रघुवंशी, संतोष मिश्रा, राजपत्रित अधिकारी संघ के श्री डी.के. यादव एवं डॉ. संतोष गांधी, ओ.पी. कुशवाहा, शिक्षक कांग्रेस अध्यक्ष सतीश शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, अरविंद शर्मा, हातिम अली, अरुण वर्मा, भारती अनुराग, दिनेश शर्मा, मंगल त्रिपाठी, इकरार खान, बल्लू यादव, वायकर तथा सत्य विजय चंदन सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अंत में आयोजकों ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। समारोह के दौरान अधिकारी-कर्मचारी एकता और समन्वय को मजबूत बनाने का संकल्प भी दोहराया गया। उपस्थित सदस्यों ने 'अधिकारी-कर्मचारी समन्वय महासंघ जिंदाबाद' के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

बालाघाट के राजवर्धन का 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' में चयन

भोपाल । बालाघाट की वारासिवनी तहसील के ग्राम सांवगी निवासी राजवर्धन राणा ने अपनी प्रतिभा और लगन के बल पर पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। राजवर्धन का चयन इंग्लैंड की प्रसिद्ध शिक्षण संस्था 'द लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस' में 'मास्टर ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' पाठ्यक्रम के लिए हुआ है।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर वैश्विक स्तर की इस प्रतिष्ठित संस्था तक पहुँचने में मध्यप्रदेश शासन की 'पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना' ने अहम भूमिका निभाई है। आर्थिक रूप से सीमित किंतु होनहार विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित 'पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना' के तहत राज्य शासन राजवर्धन को पूर्ण वित्तीय सहयोग प्रदान कर रहा है। पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की फीस के रूप में 40 लाख 70 हजार 736 रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

गर्भावस्था में उच्च जोखिम की शीघ्र पहचान से सुरक्षित मातृत्व होता है सुनिश्चितः शुक्ल

भोपाल, नप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व प्रत्येक महिला का अधिकार है। राज्य सरकार गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रदेश की सभी गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों से अपील की है कि वे 9 जून को आयोजित विशेष प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों में पहुंचकर निःशुल्क जांच, परामर्श एवं उपचार सुविधाओं का लाभ अवश्य लें। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था दी समय पर जांच एवं उच्च जोखिम स्थितियों की शीघ्र पहचान से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि इस अभियान को जन-आंदोलन के रूप में संचालित करते हुए प्रत्येक गर्भवती महिला तक गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में और कमी लाई जा सके।

उचित उपचार का किया गया प्रबंधन :प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के अंतर्गत मध्यप्रदेश में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभियान के तहत पंजीकृत 14.31 लाख गर्भवती महिलाओं में से 10.25 लाख महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच (एएनसी) की गई, जो कुल पंजीकृत गर्भवतियों का लगभग 72 प्रतिशत है। जांच के दौरान 2.94 लाख महिलाओं को उच्च जोखिम गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेगनेंसी-एचआरपी) के रूप में चिन्हित किया गया।

अंतर्जली' से जल गंगा संवर्धन अभियान को मिला वैज्ञानिक आधार

भोपाल । प्रदेश में जल संवर्धन और सतत पर्यावरण प्रबंधन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसको वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार प्रदान करने की दिशा में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं भूजल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मैपकास्ट द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक दस्तावेज और एटलस तैयार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान वर्ष 2026 के अंतर्गत मैपकास्ट द्वारा उपग्रह छायाचित्रों पर आधारित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक दस्तावेज भूजल एटलस 'अंतर्जली' तैयार किया गया है। इसके तहत भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर एवं जबलपुर जिलों के भूजल एटलस तैयार कर संबंधित विभागों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसे भूजल प्रबंधन और जल गुणवत्ता का आंकलन प्रभावी होगा।

जलजनित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और निराकरण में मिलेगी सहायता:मैपकास्ट ने राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र (एनआरएससी)-इसरो, हैदराबाद के तकनीकी मार्गदर्शन में आधुनिक रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीकों का उपयोग करते हुए विस्तृत भूजल मानचित्र तैयार किए हैं। इन मानचित्रों के संकलन से 'अंतर्जली' एटलस का निर्माण किया गया है। यह वैज्ञानिक दस्तावेज उन्नत डिजिटल एलिवेशन मॉडल, लीनियामेंट विश्लेषण और लिथोलॉजिकल डेटा के समेकित अध्ययन के आधार पर किया गया है। एटलस में भूजल संभावना मानचित्र एवं भूजल गुणवत्ता मानचित्र शामिल किए गए हैं, जिससे जल प्रबंधन से जुड़े विभागों को वैज्ञानिक एवं डेटा आधारित निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। इसके माध्यम से फ्लोराइड, नाइट्रेट, रासायनिक प्रदूषण और भारी धातुओं की उपस्थिति का क्षेत्रवार विश्लेषण भी उपलब्ध कराया गया है। इससे जलजनित स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और उनके निराकरण में सहायता मिलेगी।

योजनाओं के क्रियान्वयन में रखें पारदर्शिता : पटेल

भोपाल । पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए, जिससे समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुँचे सके। मंत्री श्री पटेल ने विकास भवन में विभागीय योजनाओं के कार्यों, वित्तीय प्रावधान और व्यय की योजनावार समीक्षा की। मंत्री श्री पटेल ने निर्देशित किया कि जिन योजनाओं में इस तिमाही में व्यय कम हुआ है, वहां कार्यों की गति को तत्काल बढ़ाया जाए और भारत सरकार से संबंधित मुद्दों पर निरंतर फॉलो-अप कर शीघ्र कार्रवाई की जाए। उन्होंने 'जन मन' योजना की किश्त का समय पर भुगतान करने, सोशल ऑडिट के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का निर्माण करने तथा 'बीबी रामजी योजना' के लिए वास्तविकता के आधार पर बजट तैयार करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री पेटल ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, रसोइयों को मानदेय, मुख्यमंत्री आवास मिशन, रेडी टू टेक होम राशन, मजरा टोला और क्षतिग्रस्त पुलों के निर्माण संबंधी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय संरचना के पुनर्गठन और योजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निगम अमले ने परीक्षण हेतु 105 जल के नमूने एकत्र किए

भोपाल। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर के नागरिकों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने हेतु पानी की गुणवत्ता की जांच, लीकेज सुधार एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण संबंधी कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने सोमवार को विभिन्न झुग्गी बस्तियों सहित संपूर्ण शहर से जल के परीक्षण हेतु कुल 105 स्थानों से जल के नमूने लिये गये। निगम द्वारा 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से जल का परीक्षण किया जा रहा है। निगम अमले ने 35 स्थानों पर पाईप लाईनों के लीकेज सुधारे और सी.एम.हेल्पलाईन एवं महापौर हेल्पलाईन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में से 02 शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण किया गया।

पिंक बर्ड सोशियोकल्चरल सोसायटी भोपाल द्वारा शा. उच्चतर माध्यमिक विघालय कोठरी सीहोर में

बच्चों को दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने की सीख विषय पर कार्यशाला संपन्न

भोपाल, नप्र। पिंक बर्ड सोशियोकल्चरल सोसायटी भोपाल द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अन्तर्गत शासकीय शालाओं में की जाने सांस्कृतिक गतिविधियों के अन्तर्गत संस्था ने शा. उच्चतर माध्यमिक विघालय कोठरी सीहोर में एक कार्यशाला का आयोजन किया कार्यशाला की विषय वस्तु थी ''बच्चों को दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने की सीख'' की विषय वस्तु के साथ संस्था के प्रतिनिधि श्री कमलेश दुबे, पियुष सैनी हिमांशु प्रजापति, रोहित पटेल और विशाल बकोरिया ने इसमें भागीदारी की इस कार्यशाला में बताया गया कि अगर बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के साथ स्वच्छता विषय को शामिल कर दिया जाए तो बच्चे ना केवल स्वयं को स्वच्छ रखेंगे बल्कि अपने घर, विद्यालय और अपने गांव को भी स्वच्छ रखेंगे, सफाई और स्वच्छता की आदत अगर बच्चों में बचपन से डाल दी जाए तो वह बदलती नहीं हैं। बच्चों को बताया गया कि पोलिथिन का उपयोग ना करें, पानी के प्लास्टिक की बोटलों को इस्तेमाल ना करें। अगर इनको करना ही है तो उसका निस्पादन ठीक प्रकार से करें। बच्चों को बताया गया कि हमारी सरकार स्वच्छता पर जो राशि खर्च करती है अगर हम अपनी स्वच्छता की आदतों में सुधार करते है तो बहुत राशि बचाई जा सकती है जिसका दूसरे विकास कार्यों में उपयोग हो सकता है। प्राथमिक शाला के बच्चों के साथ पेंटिंग को आयोजन किया गया और मिडिल और हायर सेकेण्डरी के बच्चों के साथ चर्चा की गई और रैली निकाली गई। साथी विशेषज्ञ श्री अनूप शर्मा ने बच्चों को बताया कि अगर हम किसी भी प्रकार की यात्राओं पर जाते हैं चाहे वो धार्मिक यात्रा हो या पारिवारिक तो अपने साथ कम से कम दूषित सामग्री को ले जाना चाहिए खाने के प्लास्टिक रेपर में पैक

चीजों का नहीं ले जाना चाहिए या जो कचरा अपने साथ हम ले जा रहे है उसे अपने साथ वापस लाने के लिए उचित इंतजाम या उसका सही प्रकार से निपटारा करना चाहिए।

साथी विशेषज्ञ सुनील राज ने बताया कि हमारे पेयजल स्त्रोत दिनों दिन दूषित होते जा रहे हैं हम अपनी पूजा सामग्री, प्लास्टिक बाटल, पोलिथिन, नालियों का पानी, नदियों में डाल रहे हैं अगर हम बच्चे अभी से अपनी आदतों में सुधार करें तो आने वाले बच्चों का और पृथ्वी का भविष्य बेहतर कर सकते हैं। हमारी लापरवाहियों की वजह से दिनों दिन तापमान भी बढ़ रहा है इसलिए हमें पृथ्वी के तापमान का संतुलित करने के लिए पेड़ भी लगाना चाहिए या उनका संरक्षण करना चाहिए। कार्यशाला बोझिल ना हो इसलिए बीच-बीच में माइंड ब्रेक जैसी गतिविधियों का होना जरूरी होता है।

डीआरएम ने दुर्घटना टालन वाले 5 रेल कर्मचारियों को संरक्षा अवार्ड से किया सम्मानित

भोपाल, नप्र।

रेल संचालन में उत्कृष्ट सतर्कता, सजगता एवं संरक्षा के प्रति समर्पित कार्य करने वाले 5 कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिनांक 08 जून 2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा संरक्षा अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संरक्षा अवार्ड प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में इंजीनियरिंग विभाग से श्री सुमेन्द्र मीना (ट्रैक मेंटेनर, शिवपुरी), श्री सतीश बकोरिया (वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर, इटारसी) एवं श्री आशीष पराशर (वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर, बीना) तथा टीआरओ विभाग से श्री विनोद तिवारी (लोको पायलट मेल, भोपाल) एवं श्री यशपाल साहू (वरिष्ठ सहायक लोको पायलट, भोपाल) शामिल रहे। श्री सुमेन्द्र मीना ने दिनांक 27.05.2026 को शिवपुरी स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान प्वाइंट संचालन से संबंधित सवालों का कुशलतापूर्वक उत्तर देकर तथा प्वाइंट एवं संरक्षा संबंधी नियमों की उत्कृष्ट जानकारी प्रदर्शित कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया।सतीश बकोरिया ने दिनांक 02.05.2026 को मालगाड़ी कार्य के दौरान गुजरने वाली गाड़ी संख्या 11058 अमृतसर-मुम्बई एक्सप्रेस में असामान्य स्थिति का अवलोकन किया। तथा समय रहते सूचना देकर संभावित दुर्घटना को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सतर्कता के कारण आवश्यक जांच के उपरांत ब्रेक ब्लॉक जाम पाए गए।

भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

भोपाल, नप्र। भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल में 8 जून 2026 को 'इंस्पायर्ड बाय नेचर । फॉर क्लाइमेट । फॉर फ्यूचर ।' विषय के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया । इस अवसर पर अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया । कार्यक्रम के प्रारंभ में मृदा पर्यावरण विज्ञान प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. तपन अधिकारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान हेतु त्वरित एवं सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. मनोरंजन मोहंती ने अपने संबोधन में 'वन हेल्थ' की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि मृदा, पौधों, पशुओं, मानव और पर्यावरण का स्वास्थ्य परस्पर जुड़ा हुआ है । उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकारों अथवा वैज्ञानिकों के प्रयासों से नहीं जीती जा सकती, बल्कि किसानों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों, सिविल सोसाइटी और युवाओं की सक्रिय सहभागिता से ही जलवायु-अनुकूल एवं सशक्त समुदायों का निर्माण संभव है । उन्होंने आगे कहा कि लगाया गया प्रत्येक पौधा, संरक्षित की गई प्रत्येक जल बूंद, पुनर्स्थापित की गई प्रत्येक हेक्टेयर भूमि तथा अपनाई गई प्रत्येक कृषि पद्धति एक हरित एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है । उन्होंने सभी से प्रकृति से प्रेरणा लेने, जलवायु कार्रवाई को सशक्त बनाने तथा उत्पादक, लचीले, समतामूलक (सस्टेनेबल) एवं सतत भविष्य के निर्माण हेतु संकल्पित होने का आह्वान किया । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. सुरेश मोटवानी (महाप्रबंधक, सॉलिडैरिडाड) ने पुनर्योजी कृषि (रिजनरेटिव एग्रीकल्चर) एवं सतत कृषि प्रणालियों की भूमिका पर अपने अनुभव साझा किए । उन्होंने बताया कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में इन प्रणालियों की महत्वपूर्ण भूमिका है । साथ ही उन्होंने कहा कि खाद्य प्रणाली आधारित कृषि उपभोक्ताओं में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता की आवश्यकता है ।

बँटवारे की पीड़ा, इंसानियत और साझी संस्कृति की संवेदनशील कहानी ने पहले ही दिन दर्शकों को भावुक किया, रवींद्र भवन में गूंजीं तालियां और सिसकियां

'स्मरण हबीब रंग आलाप' के पहले दिन गूंजा बँटवारे का दर्दः 'जिन लाहौर नई वेख्या...' ने झकझोरा

भोपाल, नप्र। हम थियेटर ग्रुप द्वारा आयोजित 22वें 'स्मरण हबीब रंग आलाप नाट्य महोत्सव' का आगाज़ सोमवार शाम रवींद्र भवन में हबीब तनवीर के विश्वप्रसिद्ध नाटक 'जिन लाहौर नई वेख्या, वो जम्याई नई' के मंचन से हुआ। बँटवारे की त्रासदी, इंसानियत और साझी संस्कृति की कहानी कहते इस नाटक ने पहले ही दिन दर्शकों को भावुक कर दिया।

नाटक 1947 के बँटवारे के बाद लाहौर की एक हवेली से शुरू होता है। हिन्दुस्तानी मुस्लिम परिवार पाकिस्तान जा चुका है और हवेली पर एक हिन्दू शरणार्थी परिवार का कब्ज़ा है। उसी हवेली में रह गई हैं बूढ़ी हिन्दू महिला रतन की माँ, जिनका किरदार वरिष्ठ अभिनेता बालेंद्र सिंह ने जीवंत कर दिया। उनकी आवाज़ में दर्द, आँखों में सवाल और लाहौर से जुड़ी यादें थीं।

पहले अंक में दर्शक हँसते हैं - भाषा का खेल, पंजाबी ताने, हिंदू-मुस्लिम नोकझोंक। पर दूसरा अंक आते-आते हँसी गले में अटक जाती है। जब रतन की माँ कहती हैं

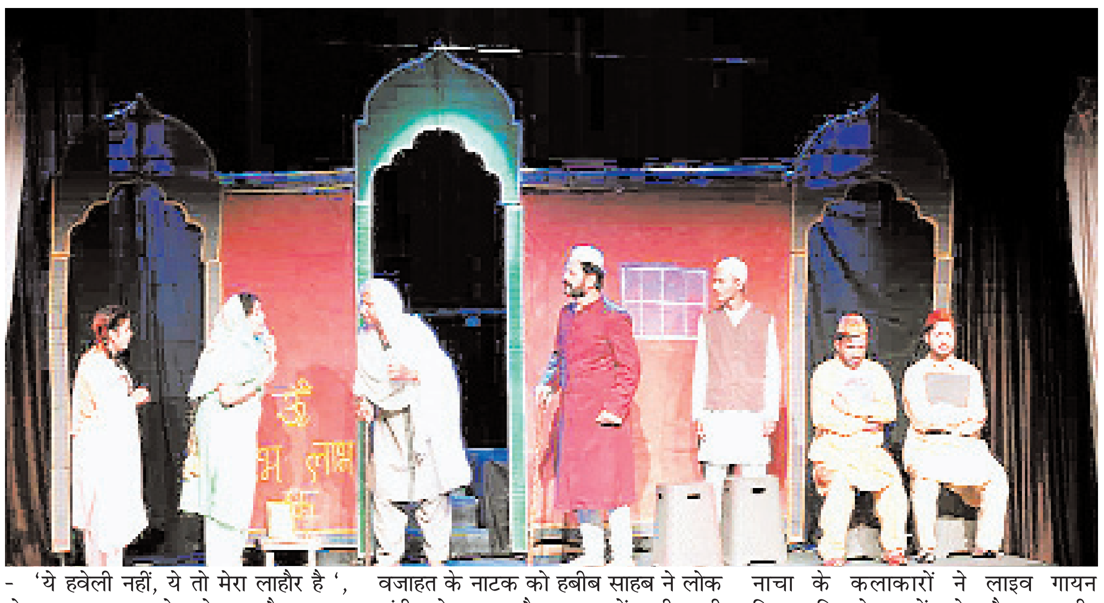

- 'ये हवेली नहीं, ये तो मेरा लाहौर है ', तो पूरा सभागार खामोश हो जाता है। असग़र वजाहत के नाटक को हबीब साहब ने लोक संगीत से सजाया है। नाटक में छत्तीसगढ़ी नाचा के कलाकारों ने लाइव गायन किया, जिसने दृश्यों को और धार दी।

रतन की माँ के किरदार में वरिष्ठ रंगकर्मी बालेंद्र सिंह और शरणार्थी परिवार के मुखिया सिकन्दर मिर्ज़ा के रोल में योगेश तिवारी की जुगलबंदी देखते ही बनती थी। दोनों के बीच का टकराव असल में दो मुल्कों का नहीं, दो टूटे हुए दिलों का था। 2026 में जब सरहदों पर तनाव और सोशल मीडिया पर नफरत बढ़ रही है, तब 'जिन लाहौर नई वेख्या...' याद दिलाता है कि बँटवारे में सिर्फ ज़मीन नहीं बँटी थी, रिश्ते बँटे थे। हबीब साहब का यह नाटक 36 साल बाद भी उतना ही सामयिक है।

पहले शो में ही रवींद्र भवन खचाखच भरा था। तालियाँ कम, सिसकियाँ ज़्यादा सुनाई दीं। यही इस प्रस्तुति की सबसे बड़ी सफलता थी।

महोत्सव आगे 'स्मरण हबीब रंग आलाप' 5 दिनों तक चलेगा। आज मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय की रंग प्रयोगशाला के कलाकार संजय श्रीवास्तव के निर्देशन में गुड़िया की शादी का मंचन होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सुमेर सिंह यादव (यदुवंशी) द्वारा एमआई ऑफसेट वर्क्स, बरखेडी भोपाल (मप्र) प्रिंटिंग प्रेससे मुद्रित तथा बीडीए प्लॉट नं. 184 पंचशील नगर भोपाल से प्रकाशित। संपादक-सुमेर सिंह यादव
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : sumer.yaduwanshi@gmail.com, Mo. 9893699950